R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 183 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार, 12 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

टीएमसी में कथित टूट के बीच कांग्रेस की नजर बंगाल पर

राहुल गांधी और अधीर रंजन की रणनीति पर चर्चा तेज

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े घटनाक्रमों के बीच कांग्रेस पार्टी राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कोशिशों में जुटी दिखाई दे रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि टीएमसी के भीतर बढ़ती असंतोष की स्थिति और पार्टी के कुछ नेताओं की नाराजगी का लाभ उठाने के लिए कांग्रेस नई रणनीति तैयार कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिम बंगाल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद अधीर रंजन ने कहा कि बंगाल में कांग्रेस के पुनरुत्थान का यह एक महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है। उनका मानना है कि राज्य में बदलते राजनीतिक समीकरण कांग्रेस के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में लंबे समय से कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति कमजोर रही है। पहले वामपंथी दलों और बाद में टीएमसी के उभार के कारण पार्टी का जनाधार लगातार सिमटता गया। हाल के चुनावों में भी कांग्रेस को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। ऐसे में पार्टी अब उन मतदाताओं और

नेताओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रही है जो वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस विशेष रूप से अल्पसंख्यक मतदाताओं और टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक में अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर सकती है। वहीं, अधीर रंजन चौधरी का दावा है कि टीएमसी के कुछ नेता कांग्रेस के संपर्क में हैं और भविष्य में पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

इस बीच, राजनीतिक हलकों में टीएमसी और कांग्रेस के संभावित संबंधों को लेकर भी चर्चाएं जारी हैं। कुछ समय पहले ऐसी अटकलें सामने आई थीं कि टीएमसी और कांग्रेस के बीच नजदीकियां बढ़ सकती हैं, हालांकि दोनों दलों ने किसी भी प्रकार के विलय की संभावना से इनकार किया है। टीएमसी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस के साथ राजनीतिक सहयोग की बात अलग है, लेकिन पार्टी के विलय का कोई सवाल नहीं है।

गौरतलब है कि ममता बनर्जी और कांग्रेस का संबंध लंबे समय से उतार-चढ़ाव भरा रहा है। कांग्रेस से राजनीतिक सफर शुरू करने वाली ममता बनर्जी ने अलग पार्टी बनाकर पश्चिम बंगाल की राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। वहीं, कांग्रेस अब बदलते राजनीतिक हालात में राज्य में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के प्रयासों को तेज करती दिखाई दे रही है। आने वाले समय में बंगाल की राजनीति किस दिशा में जाती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने का किया दावा

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) को अगली सूचना तक बंद करने का दावा किया है। ईरानी समुद्री निगरानी संस्था और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) के बयानों के अनुसार, क्षेत्र में बढ़ते तनाव और अमेरिकी सैन्य गतिविधियों के चलते यह फैसला लिया गया है। हाल ही में गठित 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि अमेरिकी बलों की आक्रामक कार्रवाई और मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए जलमार्ग को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है। जिन जहाजों को पहले पारगमन की अनुमति मिली थी, उन्हें आगे के निर्देशों की प्रतीक्षा करने को कहा गया है। यह फैसला उस घटना के बाद सामने आया है जिसमें ईरान के एक मालवाहक जहाज पर अमेरिकी

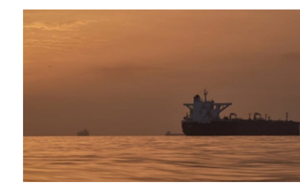

प्रोजेक्टाइल से हमला होने का दावा किया गया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, जहाज ओमान के खासाब बंदरगाह से आवश्यक सामान लेकर जा रहा था और ओमान की खाड़ी में उस पर हमला हुआ। IRGC ने चेतावनी दी है कि जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी जहाज को शत्रु देशों का सहयोगी माना जा सकता है। हालांकि, इस मामले में दोनों देशों के दावे अलग-अलग हैं। जहां ईरान जलडमरूमध्य के बंद होने की बात कह रहा है, वहीं अमेरिकी सेना का कहना है कि होर्मुज मार्ग अभी भी खुला है और जहाजों की आवाजाही जारी है।

संक्षिप्त समाचार

केरल में निपाह वायरस का मामला, पूरे राज्य में हाई अलर्ट

तिरुवनंतपुरम। केरल के कोझिकोड जिले में निपाह वायरस संक्रमण का नया मामला सामने आने के बाद पूरे राज्य में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। 43 वर्षीय एक कारोबारी में निपाह वायरस की पुष्टि हुई है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। मरीज को गंभीर हालत में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वह वेंटिलेटर सपोर्ट पर है। जानकारी के अनुसार, मरीज फरोक क्षेत्र का निवासी है। प्रारंभिक उपचार के लिए उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत बिगड़ने पर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। स्वास्थ्य विभाग मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों की पहचान कर रहा है और अस्पताल कर्मियों सहित संभावित संपर्कों को क्वारंटीन रहने की सलाह दी गई है। अधिकारियों का मानना है कि मरीज हाल ही में किराए पर लिए गए एक गोदाम की सफाई के दौरान संक्रमण की चपेट में आया हो सकता है। प्रशासन मरीज का रूट मैप तैयार कर रहा है और संक्रमण के स्रोत की जांच की जा रही है। यह वर्ष 2026 में केरल में निपाह वायरस का पहला मामला है। वर्ष 2018 के बाद राज्य में यह छठी बार संक्रमण का प्रकोप सामने आया है। इससे पहले 2024 में भी दो मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें एक मरीज की मौत हो गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, निपाह वायरस एक खतरनाक जूनोटिक संक्रमण है, जो मुख्य रूप से फल खाने वाले चमगादड़ों से फैलता है। संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क से भी यह वायरस फैल सकता है। इसके शुरुआती लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, गले में खराश, उल्टी, कमजोरी और सांस लेने में परेशानी शामिल हैं।

होर्मुज के पास जहाज हादसे में तीन भारतीय नाविकों की मौत, केंद्र ने जताया शोक

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट हुए एमटी सेट्टेबेलो तेल टैंकर हादसे में लापता बताए जा रहे तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस दुखद घटना की जानकारी देते हुए गहरा शोक व्यक्त किया है। सोनोवाल ने कहा कि पलाऊ के झंडे वाले एमटी सेट्टेबेलो जहाज पर हुई इस त्रासदी से देश दुखी है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्टों में जिन तीन

भारतीय नाविकों को लापता बताया गया था, उनके शव बरामद कर लिए गए हैं और पहचान होने के बाद उनकी मृत्यु की आधिकारिक पुष्टि की गई है। केंद्रीय मंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को आदेश दिया है कि हादसे में बचाए गए 21 भारतीय नाविकों को जल्द से जल्द सुरक्षित भारत लाया जाए। साथ ही मृत नाविकों के पार्थिव शरीर भी शीघ्र स्वदेश पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, ताकि उनके परिवार अंतिम संस्कार कर सकें। गौरतलब है कि मंगलवार को पलाऊ-ध्वज वाले इस वाणिज्यिक जहाज पर हमला हुआ था। जहाज पर कुल 24 भारतीय नाविक सवार थे, जिनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि तीन नाविक लापता हो गए थे। घटना के बाद भारत सरकार ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के उप प्रमुख जैसन मीक्स को तलब कर भारत की ओर से विरोध दर्ज कराया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने दावा किया था कि जहाज ईरानी तेल ले जा रहा था और उसके निर्देशों का पालन नहीं किया गया था। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के अनुसार जहाज एक रासायनिक एवं तेल उत्पाद टैंकर था, जिसमें इंजन रूम में आग लगने के बाद आपातकालीन सहायता मांगी गई थी। इसके बाद ओमान की रॉयल नेवी ने बचाव अभियान चलाकर अधिकांश नाविकों को सुरक्षित निकाला।

राजस्थान में 4 दिन राहत, बारिश-आंधी का अलर्ट

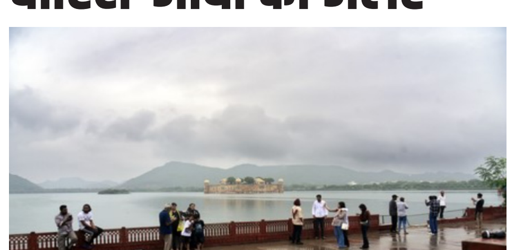

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी और उमस से जल्द राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार 11 से 14 जून के बीच राज्य में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय रहेगा, जिससे कई जिलों में आंधी-तूफान, 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जयपुर, अलवर सहित 12 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है। बीकानेर, अजमेर और भरतपुर संभाग के हिस्सों में भी मौसम बदलने के संकेत हैं। हालांकि बुधवार को कई जिलों में तापमान 40 से 46 डिग्री के बीच बना रहा और भीषण गर्मी व उमस से लोग परेशान रहे। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह प्रणाली 14 जून तक असर दिखाएगी, जिससे लोगों को अस्थायी राहत मिल सकती है।

नकली बीज मामले में कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का पलटवार

बोले- दोष साबित हुआ तो मंत्री पद छोड़ जेल जाने को तैयार

करौली/राजस्थान। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने नकली बीज मामले में विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों और इस्तीफे की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। करौली जिले के टोडाभीम क्षेत्र के राजोली गांव में शहीद राकेश मीणा की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ तिल भर भी दोष साबित हो जाए तो वे न केवल मंत्री पद छोड़ देंगे बल्कि जेल जाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने ऊपर लगाए गए झूठे आरोपों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते।

षड्यंत्र रचकर फंसाने की कोशिश, लेकिन सच की होगी जीत

डॉ. मीणा ने कहा कि उनके खिलाफ हमेशा से षड्यंत्र रचे जाते रहे हैं, चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो। उन्होंने आरोप लगाया कि जो लोग पहले भ्रष्टाचार और चोरी में शामिल रहे हैं, वही अब उन्हें फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नकली बीज के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने किसानों से अवैध वसूली करने की कोशिश की, लेकिन ऐसे लोगों को भी उन्होंने कानून के हवाले करवा दिया। कृषि मंत्री ने कहा कि उनके पास ईमानदारी, आत्मबल और जनता का आशीर्वाद है, इसलिए कोई भी ताकत उन्हें झुका नहीं सकती।

भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, किसी को नहीं बख्शूंगा

कृषि मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान पेपर लीक और भ्रष्टाचार के मामलों को उन्होंने प्रमुखता से उठाया था, जिसके कारण अब विरोधियों को उन पर हमला करने का मौका मिल गया है। उन्होंने कहा कि वे अभिमन्यु की तरह चक्रव्यूह में घुसना भी जानते हैं और उससे बाहर निकलना भी। डॉ. मीणा ने दोहराया कि वे किसी भी भ्रष्टाचारी को नहीं छोड़ेंगे, चाहे वह मंत्री हो, अधिकारी हो या व्यापारी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा है और इसके खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीति जनता की सेवा का माध्यम है, न कि निजी संपत्ति बढ़ाने का जरिया। अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि सत्य की जीत होगी और भ्रष्टाचारियों का अंत निश्चित है।

नीति आयोग की बैठक में तमिलनाडु के मुद्दे उठाएंगे सीएम विजय

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक को केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय तथा विकास संबंधी नीतियों पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक सहयोगियों और विभिन्न संगठनों ने मुख्यमंत्री विजय से आग्रह किया है कि वे इस मंच का उपयोग तमिलनाडु के विकास और राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष मजबूती से रखने के लिए करें। राष्ट्रपति भवन परिसर स्थित कल्चरल सेंटर में आयोजित होने वाली इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भाग लेंगे। बैठक में विकास की प्राथमिकताओं, केंद्र-राज्य सहयोग, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और दीर्घकालिक नीतिगत योजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा। माना जा

रहा है कि मुख्यमंत्री विजय राज्य के वित्तीय अधिकारों, विकास परियोजनाओं और केंद्र से लंबित मांगों को प्रमुखता से उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री विजय बुधवार को एक निजी विमान से नई दिल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद राष्ट्रीय राजधानी का यह उनका दूसरा दौरा है। दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने कई प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में भेंट कर विभिन्न राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद उन्होंने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन से भी मुलाकात की। राजनीतिक स्तर पर भी विजय का दिल्ली दौरा अहम माना जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी. राजा से भी भेंट कर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री विजय की मौजूदगी और उनकी विभिन्न नेताओं से हुई मुलाकातें तमिलनाडु की राजनीति और राज्य के विकास एजेंडे के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

फर्जी हस्ताक्षर मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त

अभिषेक बनर्जी को जांच में सहयोग के निर्देश

कोलकाता । पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के चयन से जुड़े कथित फर्जी हस्ताक्षर मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले को गंभीर बताते हुए विस्तृत जांच के निर्देश दिए हैं। अदालत ने जांच एजेंसी सीआईडी को मामले की जांच पूरी कर आरोप पत्र दाखिल करने को कहा है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी को फिलहाल तीन सप्ताह के लिए गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया गया है। सुनवाई के दौरान सीआईडी ने अदालत को बताया कि अभिषेक बनर्जी को जांच में शामिल होने के लिए तीन बार नोटिस भेजा गया, लेकिन वह एजेंसी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। जांच एजेंसी का दावा है कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अब उन्हें केवल गवाह नहीं बल्कि आरोपी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं अभिषेक बनर्जी की ओर से अदालत में कहा गया कि वह जांच में पूरा सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा दी जानी

चाहिए। अदालत ने कहा कि मामला विधानसभा की गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को सीआईडी के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश भी दिया। मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने दावा किया कि विपक्ष के नेता के चयन संबंधी प्रस्ताव में दर्ज हस्ताक्षरों और बैठक की तारीख को लेकर गंभीर विसंगतियां हैं। सरकार का कहना है कि जिस बैठक की तारीख प्रस्ताव में अंकित है, उस दिन कोई बैठक हुई ही नहीं थी। कुछ विधायकों ने भी आरोप लगाया है कि उनके हस्ताक्षर प्रस्ताव में बिना अनुमति के शामिल किए गए। यह विवाद उस समय सामने आया जब टीएमसी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में शोभनदेब चट्टोपाध्याय के नाम का प्रस्ताव स्पीकर को भेजा था। बाद में दो विधायकों ने प्रस्ताव में शामिल कई हस्ताक्षरों को फर्जी बताते हुए शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद विधानसभा सचिवालय की शिकायत पर सीआईडी ने जांच शुरू की। अब हाईकोर्ट के निर्देश के बाद मामले की जांच तेज होने की संभावना है और सभी पक्षों की नजर अगली सुनवाई पर टिकी हुई है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में संसद ने लिए कई ऐतिहासिक फैसले: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि इस दौरान संसद के माध्यम से कई ऐतिहासिक और दूरगामी महत्व के फैसले लिए गए, जिन्होंने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और विकास यात्रा को नई दिशा दी है। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि लंबे समय तक सरकार चलाना महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उस दौरान देशहित में कौन-कौन से बड़े निर्णय लिए गए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में नया संसद भवन बनना एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही है। कई वर्षों से नए संसद भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। उन्होंने बताया कि नए संसद भवन में पारित पहला विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम था, जो महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। रिजिजू ने कहा कि सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ा। इसके साथ ही ऐतिहासिक जीएसटी कानून लागू कर "एक देश, एक टैक्स" व्यवस्था स्थापित की गई। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में भी संसद का कामकाज जारी रखा गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने 1,725 अप्रासंगिक और पुराने कानूनों को समाप्त किया। पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा, आरक्षण से जुड़े प्रावधानों को मजबूत करने और तीन तलाक पर कानून बनाने जैसे महत्वपूर्ण फैसले भी इसी अवधि में लिए गए। नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA), मातृत्व अवकाश अवधि में वृद्धि, श्रम सुधारों के तहत चार लेबर कोड तथा आधार अधिनियम भी इसी दौर की प्रमुख उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे नए आपराधिक कानून लागू कर न्याय व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं। रिजिजू ने दावा किया कि संसद और विधानसभाओं के डिजिटलीकरण से लोकतंत्र और अधिक मजबूत हुआ है तथा प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल भारतीय संसदीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज किया जाएगा।

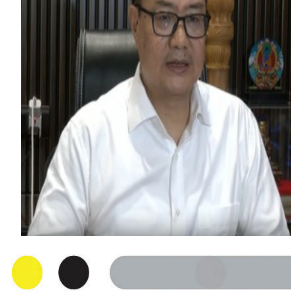

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या हम एक देश के रूप में सही भोजन कर रहे हैं?

देश की भोजन आदतों पर अगर गहराई से नजर डाली जाए तो एक चिंताजनक तस्वीर सामने आती है। आईसीएमआर (ICMR) के संतुलित आहार मानकों के अनुसार एक व्यक्ति को हर महीने लगभग 7.55 किलो अनाज (गेहूं, चावल और मोटा अनाज), 2.6 किलो दालें, 9 लीटर दूध तथा करीब 12 किलो फल और सब्जियों का सेवन करना चाहिए। लेकिन हकीकत इससे काफी अलग है। भारत के अधिकतर हिस्सों, खासकर उत्तर भारत के राज्यों में, अनाज का सेवन तय मानक से लगभग डेढ़ गुना तक अधिक किया जाता है। यानी पेट तो भर रहा है, लेकिन पोषण का संतुलन बिगड़ रहा है। दूसरी ओर, दालों का सेवन, जो सबसे सस्ता और आसान प्रोटीन स्रोत है, आधे से भी कम है। यह असंतुलन सीधे तौर पर लोगों की सेहत पर असर डाल रहा है। सब्जियों और फलों की स्थिति भी चिंताजनक है। जहां मानक 12 किलो प्रति माह है, वहीं देश के बड़े हिस्से में यह खपत 40 प्रतिशत से भी कम है। दूध की खपत भी हरियाणा और पंजाब जैसे कुछ राज्यों को छोड़कर अधिकांश जगहों पर बेहद कम है। नतीजा यह है कि शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहे हैं। इस असंतुलित भोजन का असर बच्चों और किशोरों पर सबसे ज्यादा दिखता है। लो-प्रोटीन डाइट के कारण नाटापन, कमजोर मांसपेशियां, कम शारीरिक ताकत और रोग प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। यह केवल स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, बल्कि देश की आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता से भी जुड़ा हुआ सवाल है। महंगाई एक बड़ा कारण है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग दाल, दूध और फलों की पर्याप्त मात्रा नहीं खरीद पाता। लेकिन केवल कीमत ही जिम्मेदार नहीं है, बल्कि खान-पान की आदतों में बदलाव, जागरूकता की कमी और स्थानीय स्तर पर पोषण शिक्षा का अभाव भी इस समस्या को बढ़ा रहा है। विडंबना यह है कि देश में फल और सब्जियों का उत्पादन पर्याप्त होने के बावजूद एक बड़ा हिस्सा उचित भंडारण और सप्लाई चेन की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। आज जरूरत इस बात की है कि भोजन को सिर्फ पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि संतुलित पोषण के रूप में देखा जाए। जब तक हम अपनी थाली में अनाज, दाल, दूध, फल और सब्जियों का सही संतुलन नहीं लाएंगे, तब तक स्वस्थ समाज की कल्पना अधूरी ही रहेगी।

सरकार की उपलब्धि

भारत की सेवा में विज्ञान के बारह वर्ष

डॉ. जितेंद्र सिंह

जब जम्मू के डोडा जिले की एक लैवेंडर किसान मौसम के पहले फूल तोड़ती है, तब वह विज्ञान नीति के बारे में नहीं सोचती। लेकिन सच यह है कि केंद्र शासित प्रदेश की बंजर पहाड़ियों को बैंगनी फूलों की सुगंधित खेती में बदलने के पीछे पिछले एक दशक में किया गया उद्देश्यपूर्ण और दूरदर्शी वैज्ञानिक निवेश ही है। यह ग्रामीण आजीविका में आई ऐसी क्रांति है, जिसकी शुरुआत एक प्रयोगशाला से हुई थी। असल में, भारत में पिछले बारह वर्षों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का यही अर्थ है। विज्ञान केवल ज्ञान बढ़ाने का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह हमारे नागरिकों के दैनिक जीवन को बेहतर बनाने वाली एक जीवंत और प्रभावशाली शक्ति बन गया है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में पदभार संभाला, तब उन्होंने एक ऐसी सोच प्रस्तुत की जिसमें विज्ञान को केवल किसी विभाग का काम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का मिशन माना गया। इसके बाद के वर्षों में इस दृष्टि ने ऐसे परिणाम दिए, जो एक पीढ़ी पहले असाधारण माने जाते। आज भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अंतरिक्ष यान उतार चुका है, पहली बार अपनी स्वदेशी एंटीबायोटिक विकसित कर चुका है, पुणे से पटना तक सुपरकंप्यूटर स्थापित कर चुका है और एक ऐसे अंतरिक्ष अर्थतंत्र का निर्माण कर चुका है जिसमें देशी स्टार्टअप्स तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

लेकिन इन उपलब्धियों की असली कहानी यह नहीं है कि हमने क्या हासिल किया, बल्कि यह है कि इन उपलब्धियों ने आम नागरिकों के जीवन को किस तरह प्रभावित किया। विज्ञान अब केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय विकास और नागरिक सशक्तिकरण का सबसे शक्तिशाली माध्यम बन चुका है। किसानों का उदाहरण लें। भारतीय कृषि में मौसम हमेशा से सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। पिछले एक दशक में पृथ्वी अवलोकन (अर्थ ऑब्जर्वेशन) और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप आज किसानों को सटीक और स्थानीय स्तर पर मौसम की जानकारी मिल रही है। यह केवल संभावनाओं पर आधारित अनुमान नहीं, बल्कि इतनी सटीक जानकारी है कि कोई किसान परिवार यह तय कर सकता है कि फसल आज काटनी है या कल तक इंतजार करना है। आज यदि बंगाल की खाड़ी में कोई चक्रवात बनता है, तो हमारी आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियां तटीय समुदायों को कई घंटे, और कई बार कई दिन पहले ही सचेत कर देती हैं। इसका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता; इसका वास्तविक मूल्य उन अनगिनत जानों और आजीविकाओं में दिखाई देता है जो समय रहते बचाई जा रही हैं। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों और नदी घाटियों में विज्ञान ने अरोमा मिशन के रूप में दस्तक दी। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लैवेंडर की खेती से जोड़ा गया तथा उन्हें तकनीक, बेहतर बीज और बाज़ार तक पहुँच उपलब्ध कराई गई। जो पहल एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी, वह आज भारत की पर्पल रिवोल्यूशन (बैंगनी क्रांति) के रूप में जानी जाती है। इसके माध्यम से हजारों किसान परिवार सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती से सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं। इस समृद्धि के पीछे विज्ञान ने एक शांत लेकिन निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी प्रकार के प्रयासों के तहत केसर की खेती का विस्तार, औषधीय जड़ी-बूटियों का उत्पादन और भारत में पहली बार हींग की खेती की शुरुआत की गई। इन पहलों ने साबित किया है कि यदि नवाचार जमीन से जुड़ा हो, तो वह किसी भी औद्योगिक तकनीक जितना परिवर्तनकारी हो सकता है। विज्ञान के माध्यम से ग्रामीण सशक्तिकरण केवल कृषि तक सीमित नहीं रहा है। किफायती ग्रामीण आवास के लिए विकसित 3डी-प्रिंटेड घरों के मॉडल से लेकर खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान करने वाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रणालियों तक, तकनीक को उन समस्याओं के समाधान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है जिनका सामना समाज के सबसे कमजोर वर्ग करते हैं। कंप्यूटिंग, सेंसर तकनीक और इंजीनियरिंग को एक साथ जोड़ने वाले राष्ट्रीय अंतःविषय साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन के तहत देशभर में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों ने एक हजार से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया है, जो सटीक कृषि, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियों के समाधान पर काम कर रहे हैं। यदि कोई क्षेत्र भारतीय विज्ञान की परिवर्तनकारी शक्ति को सबसे प्रभावशाली ढंग से दिखाता है, तो वह जैव प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य सेवा का क्षेत्र है। दशकों तक भारत की फार्मास्युटिकल ताकत मुख्य रूप से विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तक सीमित रही। हम उन दवाओं के जेनेरिक संस्करण बनाते थे, जिनकी खोज दूसरे देशों में होती थी। अब यह कहानी बदल रही है। दशकों में पहली बार भारत में खोजी गई स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन का विकास केवल एक वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की दवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की घोषणा भी है। सरकार के सहयोग से शोधकर्ताओं और उद्योग जगत की साझेदारी से विकसित यह दवा इस बात का प्रमाण है कि भारत की प्रयोगशालाएँ अब केवल दवाएँ बनाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नई दवाओं की खोज और विकास के वैश्विक अग्रिम मोर्चे पर भी काम कर सकती हैं। यह वह क्षमता है जो दुनिया के केवल कुछ देशों के पास ही है। इसी तरह एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि देश में हीमोफीलिया के लिए पहली सफल स्वदेशी जीन थेरेपी क्लीनिकल ट्रायल रही, जिसे वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज में सम्पन्न किया गया। हीमोफीलिया एक ऐसी बीमारी है जिसके उपचार के लिए मरीजों को जीवनभर महंगे इलाज की आवश्यकता होती है। जीन थेरेपी की विशेषता यह है कि यह बीमारी के लक्षणों को नियंत्रित करने के बजाय उसके मूल आनुवंशिक दोष को ठीक करने का प्रयास करती है। आनुवंशिक रोगों के बड़े बोझ वाले भारत जैसे देश के लिए यह उपलब्धि बेहद महत्वपूर्ण है और भविष्य की चिकित्सा प्रणाली को बदलने की क्षमता रखती है।

> आज यदि बंगाल की खाड़ी में कोई चक्रवात बनता है, तो हमारी आधुनिक पूर्व चेतावनी प्रणालियां तटीय समुदायों को कई घंटे, और कई बार कई दिन पहले ही सचेत कर देती हैं। इसका महत्व केवल आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता; इसका वास्तविक मूल्य उन अनगिनत जानों और आजीविकाओं में दिखाई देता है जो समय रहते बचाई जा रही हैं। जम्मू-कश्मीर की पहाड़ियों और नदी घाटियों में विज्ञान ने अरोमा मिशन के रूप में दस्तक दी। इस कार्यक्रम के तहत किसानों को लैवेंडर की खेती से जोड़ा गया तथा उन्हें तकनीक, बेहतर बीज और बाज़ार तक पहुँच उपलब्ध कराई गई। जो पहल एक छोटे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई थी, वह आज भारत की पर्पल रिवोल्यूशन (बैंगनी क्रांति) के रूप में जानी जाती है। इसके माध्यम से हजारों किसान परिवार सुगंधित और औषधीय पौधों की खेती से सम्मानजनक आय अर्जित कर रहे हैं। इस समृद्धि के पीछे विज्ञान ने एक शांत लेकिन निर्णायक भूमिका निभाई है। इसी प्रकार के प्रयासों के तहत केसर की खेती का विस्तार, औषधीय जड़ी-बूटियों का उत्पादन और भारत में पहली बार हींग की खेती की शुरुआत की गई। इन पहलों ने साबित किया है कि यदि नवाचार जमीन से जुड़ा हो, तो वह किसी भी औद्योगिक तकनीक...

सारा संसार

अरब सागर के पानी से घिरा हुआ 'कोलाबा किला या अलीबाग फोर्ट' अलीबाग का एक प्रसिद्ध पर्यटक स्थल और महाराष्ट्र का प्रमुख किला है। महाराष्ट्र के प्रसिद्ध किले में शामिल कोलाबा फोर्ट एक 300 साल पुराना किला है, जो कभी शिवाजी महाराज के शासन के दौरान मुख्य नौसेना स्टेशन था।

राष्ट्र सेवा

कैप्टन अभिमन्यु

नए भारत के निर्माण का स्वर्णिम अध्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों का कालखंड भारतीय इतिहास में विकास, सुशासन, राष्ट्रीय गौरव और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित करने वाला स्वर्णिम अध्याय बन गया है। वर्ष 2014 में "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मंत्र के साथ प्रारंभ हुई यह यात्रा आज विकसित भारत के संकल्प की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। इन 12 वर्षों में भारत ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त की हैं, जिन्होंने देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विश्व पटल पर प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती प्रदान की गई। सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण संभव हुआ, जिसने देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा दी। डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में तकनीकी क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया। आज यूपीआई, डिजिटल भुगतान और ई-गवर्नेंस के माध्यम से भारत दुनिया के अग्रणी डिजिटल देशों में शामिल हो चुका है। जन धन योजना, आधार और मोबाइल के त्रिशक्ति मॉडल ने करोड़ों लोगों को वित्तीय समावेशन से जोड़ा। गरीब, किसान, महिला और युवा कल्याण को केंद्र में रखते हुए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गईं। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को पक्के घर मिले, उज्ज्वला योजना से माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, आयुष्मान भारत योजना ने गरीब परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। स्वच्छ भारत मिशन ने जन आंदोलन का रूप लेकर देशभर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई। जल जीवन मिशन के माध्यम से करोड़ों ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाया गया। वहीं, हर घर बिजली, हर घर शौचालय और हर घर बैंक खाता जैसे संकल्प धरातल पर साकार हुए। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने देश को उत्पादन, नवाचार और रोजगार के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान की। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना और पीएम विश्वकर्मा जैसी पहलों ने उद्यमिता को नई पहचान दी। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाते हुए भारत ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन को अभूतपूर्व गति दी। विदेश नीति के क्षेत्र में भी भारत ने नई ऊंचाइयां हासिल की हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती भूमिका तथा "वसुधैव कुटुम्बकम् " के संदेश ने विश्व समुदाय में भारत की प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है। आज भारत विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। यह यात्रा केवल सरकार के कार्यकाल की कहानी नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों, विश्वास और सामूहिक प्रयासों की गाथा है। 4399 दिनों की यह उपलब्धि राष्ट्र प्रथम की भावना, सेवा, सुशासन और समर्पण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा, विकास और विश्वगौरव के नए युग में प्रवेश कर चुका है। संकल्प से सिद्धि तक, सेवा से समृद्धि तक- यही है नए भारत की पहचान।

(लेखक वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री, हरियाणा हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शिव का कोई आरंभ और अंत नहीं

संकलित

दर्शन

शिव तत्व के बारे में बात करना बहुत कठिन है क्योंकि इसे केवल महसूस किया जा सकता है। शब्द बहुत निकट जाते हैं लेकिन वापस लौट आते हैं। क्या शिव कोई सत्ता है? क्या उसका कोई रूप है? क्या वह किसी स्थान पर विराजमान कोई व्यक्ति है? नहीं, शिव संपूर्ण ब्रह्मांड हैं। शिव तत्व वह है जहां से सब कुछ आया है, सब कुछ स्थित है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। ऐसा कोई मार्ग नहीं है कि आप किसी भी समय शिव तत्व से बाहर निकल सकें क्योंकि शिव ही संपूर्ण सृष्टि हैं। शिव विश्वरूप हैं, जिसका अर्थ है कि संपूर्ण ब्रह्मांड उनका रूप है और फिर भी वे निराकार या अरूप हैं। आप ब्रह्मांड की आदि ध्वनि ओम्‌ की गहराई में जाकर उसे जान सकते हैं। आप शिव को कैसे समझ सकते हैं? केवल ध्यान के माध्यम से। शिवरात्रि से जुड़ी एक सुंदर कथा है। एक बार ब्रह्मांड के निर्माता ब्रह्मा और ब्रह्मांड के संरक्षक विष्णु दोनों शिव के विस्तार को जानना चाहते थे। ब्रह्मा ने कहा, 'मैं ऊपर जाऊंगा और उनके मस्तक की खोज करूंगा और तुम उसके चरण ढूंढोगे।' हजारों वर्षों तक विष्णु शिव के पैरों को खोजने के लिए नीचे की ओर यात्रा करते रहे और ब्रह्मा उनके सिर को खोजने के लिए ऊपर की ओर गए, लेकिन उन्हें वह नहीं मिला। अंततः वे दोनों मध्य में मिले और कहा कि वे भी उन्हें नहीं खोज सके। शिव का कोई आरंभ और कोई अंत नहीं है।

ईमानदारी और आत्म सम्मान के साथ जीएं

संकलित

प्रेरणा

एक सेठ अपने नौकर के साथ ऊंट खरीदने गया। उसने मंडी में एक ऊंट पसंद किया और उसे खरीदकर अपने घर लेकर आ गया। सेठ ने ऊंट की पीठ से गादी हटाई तो वहां एक पोटली दिखाई दी। उस पोटली में देखा तो उसमें हीरे थे। सेठ समझ गया कि ये हीरे ऊंट के पुराने मालिक के हैं, जिससे ऊंट खरीदा है। पोटली में हीरे देखकर नौकर ने कहा कि हमें तो ऊंट के साथ हीरे भी मिल गए हैं। सेठ ने नौकर से कहा कि हमने तो सिर्फ ऊंट खरीदा है, हीरे नहीं, इसलिए ये पोटली ऊंट के व्यापारी को वापस देनी होगी। अगले दिन सेठ ऊंट बेचने वाले व्यापारी के पास पहुंच गया और हीरों की थैली लौटा दी। ऊंट के व्यापारी ने कहा कि आप तो बहुत ईमानदार हैं। ये कीमती हीरे हैं, मैं रखकर भूल गया था। आपकी नीयत एकदम साफ है। अपनी ईमानदारी के लिए आप इसमें से एक हीरा रख लीजिए। सेठ ने कहा कि मुझे ये हीरा नहीं चाहिए। मैंने किसी भेंट के लिए ये पोटली आपको नहीं दी है। मेरा कर्तव्य था, मैंने आपको ये थैली दे दी। जब हीरों के मालिक ने बार-बार निवेदन किया तो सेठ ने कहा कि मैंने पहले से ही दो हीरे रख लिए हैं। ये बात सुनते ही हीरों के मालिक को गुस्सा आ गया। हीरों के मालिक ने तुरंत ही पोटली में से हीरे निकाल कर गिनना शुरू कर दिए। उस थैली में 50 हीरे थे। हीरों के मालिक ने कहा कि थैली में तो पूरे हीरे हैं, आप किन दो हीरों की बात कर रहे हैं। ऊंट खरीदने वाले सेठ ने कहा कि मेरे ये दो हीरे हैं ईमानदारी और आत्म सम्मान। ये दो हीरे मैंने पहले से बचाकर रखे हैं, इसलिए आपके पूरे 50 हीरे आपको वापस मिल गए है।

अंतर्मन

आज की पाती

मादक पदार्थों का बढ़ता प्रकोप

आए दिन हम सोशल मीडिया के माध्यम से सुनते है कि आज का युवा, जो कल देश का भविष्य है, वह धीरे-धीरे नशे की चपेट में आ गया है, जहां वह इन मादक पदार्थों का सेवन करके अपने मां-बाप, भाई-बहन की परवाह न करके आत्महत्या तक कर लेता है। हमारा देश एक युवा देश है जहां प्रतिभा से भरपूर युवा अपने सपने को साकार करने की सोच रखता है। वहीं दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में युवा गाजा, चिट्ठा जैसी मादक वस्तुओं का सेवन करके अपने जीवन को दाव पर लगा रहे हैं, जो कि चिंता का विषय है। वहीं दूसरी तरफ प्रशासन भी कोई संज्ञान नहीं ले रहा है। यदि हमें आज के युवा को नशे के प्रकोप से बचाना है तो लोगों की सोच को बदलना होगा और प्रशासन को भी इस पर कड़ी नजर रखनी होगी।

-अजय वर्मा, रायपुर

करंट अफेयर

इबोला प्रभावित देशों से आने वालों पर पाबंदी लगाए यूरोप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन यूरोपीय देशों को अफ्रीका के इबोला प्रभावित देशों से यूरोप में आने वाले लोगों के लिए यात्रा पाबंदियां बढ़ाने की सलाह दे रहा हैं। ट्रंप प्रशासन ने यह संकेत भी दिया है कि ऐसा न करने पर विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट समेत अन्य मौकों के लिए यूरोप से लोगों की यात्रा को लेकर अमेरिका के नियमों में सख्ती बरती जा सकती है। विदेश विभाग ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने मंगलवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को फोन करके अपनी चिंताएं व्यक्त कीं और कांगो तथा युगांडा में इबोला फैलने पर अमेरिका और यूरोप के तालमेल एवं जवाबी प्रयासों पर चर्चा की। इसमें कहा गया, 'विदेश विभाग की सबसे बड़ी प्राथमिकता और ध्यान अमेरिकी लोगों की सेहत की रक्षा करना और इबोला का प्रकोप हमारे नजदीक तक पहुंचने से रोकने पर है।' विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'अमेरिका ने इस संक्रमण को फैलने से निपटने के लिए कदम बढ़ाया है और अब दुनिया को भी और कदम उठाने होंगे।' अधिकारी ने रूबियो और वॉन डेर लेयेन के बीच फोन पर हुई बातचीत के बारे में नाम जाहिर नहीं होने की की शर्त पर जानकारी दी।

ऑफ बीट

होता कुछ है, देखते कुछ हैं हम भ्रम में

कई प्रजातियों द्वारा समझा जाने वाला भ्रम दृश्य भ्रम का अध्ययन मस्तिष्क कैसे काम करता है इसकी दिलचस्प जानकारी प्रदान करता है। दृश्य भ्रम अवधारणात्मक त्रुटियां हैं, जो संभवतः हमें जटिल प्राकृतिक जानकारी को कुशलतापूर्वक संसाधित करने में सक्षम बनाती हैं। एकल भ्रम एक छवि में बिंदुओं के विन्यास के आधार पर मात्रा की गलत धारणा का कारण बनता है। जो लोग भ्रम का अनुभव करते हैं वे एक साथ गुच्छित होने पर बिंदुओं की संख्या का अधिक अनुमान लगाएंगे और/या बिखरे होने पर बिंदुओं की संख्या को कम आंकेंगे। हम जानते हैं कि एकल भ्रम मनुष्यों, कैपुचिन बंदरों, गप्पियों और भौंरों द्वारा महसूस किया जाता है। ऐसा प्रतीत होता है कि चिंपैंजी, रीसस बंदर और घरेलू कुत्तों को भ्रम का एहसास नहीं होता है। दिलचस्प बात यह है कि इंसानों में उम्र एकल भ्रम की धारणा को प्रभावित करती है - छोटे बच्चे बड़ों की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। मनुष्यों और अन्य प्रजातियों द्वारा मात्राओं की इस गलत धारणा का अनुभव करने का एक संभावित विकासवादी कारण यह है कि यह हमें बड़ी संख्या में वस्तुओं को अधिक कुशलतापूर्वक और तेज़ी से संसाधित करने और तुलना करने में मदद दे सकता है।

ट्रेंड

नए मानक स्थापित

पीएम नरेंद्र मोदी का नेतृत्व संकल्प से सिद्धि और सेवा से सुशासन तक की यात्रा का प्रतीक है। उनके नेतृत्व में भारत ने आत्मविश्वास, विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए मानक स्थापित किए हैं।

-**अमित शाह**, केंद्रीय गृहमंत्री

भारत भाग्य विधाता

अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन बहादुर डॉक्टरों, नर्सों और हेल्थकेयर वर्कर्स के साहस, सेवा-भाव और कर्तव्य के प्रति समर्पण को दिखाती है, जिन्होंने 26/11 के आतंकी हमलों के दौरान मानवता की सेवा में खुद को समर्पित कर दिया था।

- **रेखा गुप्ता**, सीएम, नई दिल्ली

फर्टिलाइज़र विरासत

असम की फर्टिलाइजर (खाद) विरासत को आगे बढ़ाने से लेकर उसके भविष्य को आकार देने तक, नामरूप एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। 10,601 करोड़ का नामरूप अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइज़र कॉम्प्लेक्स खेती की उत्पादकता बढ़ाएगा।

- **हिमंत बिस्वा सरमा**, सीएम, असम

विकास की गति

आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों के साथ बहुत ही सार्थक बैठकें कीं। इन बैठकों का मकसद प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के अनुरूप पश्चिम बंगाल के विकास की गति को तेज करना और राज्य की जनता तक प्रतीक्षित लाभ सीधे पहुंचाना था।

- **सुवेंदु अधिकारी**, सीएम, पश्चिम बंगाल

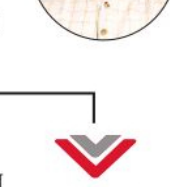

रॉयल पत्रिका

नीति आयोग में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रखा 'विकसित राजस्थान-2047' का विजन

-350 बिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

नई दिल्ली/जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की सभी नीतियों और योजनाओं के केंद्र में गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति हैं तथा इन्हीं चार स्तंभों के आधार पर विकसित राजस्थान का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की 63 प्रतिशत आबादी युवा है और राज्य सरकार इस युवा शक्ति को विकास का प्रमुख आधार बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि 'माय भारत' अभियान में 18 लाख से अधिक युवाओं के पंजीकरण के साथ राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। कौशल विकास, रोजगार सृजन और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान कौशल नीति, युवा नीति और रोजगार नीति लागू की गई हैं।

निवेश और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश संबंधी एमओयू हुए हैं, जिनमें से 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में राज्य की जीएसडीपी वृद्धि दर 10.24 प्रतिशत है, जो इस दिशा में सकारात्मक संकेत है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश को 9 एमएमटीपीए क्षमता की आधुनिक रिफाइनरी की सौगात मिली है, जो औद्योगिक विकास को नई गति देगी।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जादाता और उद्यमी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 2.19 करोड़ बीमा पॉलिसियां जारी की गई हैं, जबकि पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत 723 मेगावाट क्षमता की 496 सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं। इन दोनों क्षेत्रों में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

महिला सशक्तीकरण को राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री पोषण योजना में राजस्थान लगातार दो वर्षों से देश में प्रथम स्थान पर रहा है।

सुशासन और जन शिकायत निवारण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने 'राज उन्नति' और 'संपर्क पोर्टल' की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 'राज उन्नति' के माध्यम से 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक लागत की 42 बड़ी परियोजनाओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं संपर्क पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि 28 दिन से घटकर 14 दिन रह गई है और 98 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का समाधान किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम विकास चौपाल, आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम, जल संरक्षण अभियान, वृक्षारोपण और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण जैसी पहलें राजस्थान को विकास की नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राजस्थान युवा शक्ति, कृषि समृद्धि, महिला सशक्तीकरण, हरित ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और सुशासन के मॉडल के साथ विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य को अवश्य प्राप्त करेगा।

राजस्थान पुलिस का मेगा ट्रैफिक अभियान चरम पर, एक दिन में 9,703 वाहनों पर कार्रवाई

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेशभर में चलाया जा रहा विशेष यातायात प्रवर्तन अभियान अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों, अवैध मॉडिफिकेशन कराने वालों तथा काली फिल्म, फर्जी नंबर प्लेट और अवैध हूटर-बत्तियों का उपयोग करने वालों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के दसवें दिन प्रदेशभर में विशेष नाकेबंदी और प्रवर्तन अभियान के दौरान कुल 9,703 वाहनों के विरुद्ध चालान, जब्ती और अन्य कानूनी कार्रवाई की गई।

डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल के पर्यवेक्षण में संचालित इस अभियान के बारे में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (यातायात) डॉ. बी.एल. मीणा ने बताया कि सबसे अधिक कार्रवाई वाहनों पर अवैध रूप से लगाई गई काली फिल्म के खिलाफ की गई। ऐसे 3,638 वाहनों के विरुद्ध चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई की गई। इसके अलावा 2,450 वाहनों पर नियम विरुद्ध नंबर प्लेट और पंजीयन चिन्ह पाए गए, जबकि 1,373 वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह और लेखन अंकित होने के कारण कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 945 ऐसे वाहन भी चिन्हित किए गए जिनकी बॉडी या चेसिस में अवैध रूप से परिवर्तन किया गया था। वहीं 800 वाहनों पर अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्ट्रोब लाइट और हूटर लगे पाए गए, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले 497 प्रेशर हॉर्न और एयर हॉर्न भी जब्त किए गए।

डॉ. मीणा ने कहा कि वाहन पर जाति, पद, संगठन या अन्य अनाधिकृत शब्द लिखना, अवैध हूटर-बत्ती लगाना, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का उपयोग करना तथा काली फिल्म लगाकर वाहन चलाना कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस का यह विशेष अभियान आगामी दिनों में और अधिक सख्ती के साथ जारी रहेगा। यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई कर सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी तथा आमजन में नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रयास भी जारी रहेंगे।

राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन का निरीक्षण, बाल अधिकारिता आयुक्त ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

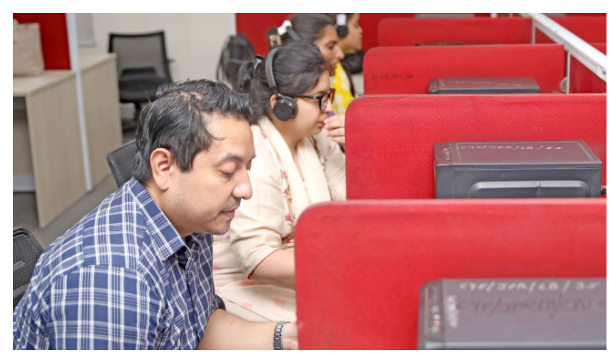

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बाल अधिकारिता विभाग के आयुक्त निकया गोहाएन ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क (181) हेल्पलाइन केंद्र का निरीक्षण कर विभाग से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की। उन्होंने बाल अधिकारों से जुड़े मामलों की त्वरित मॉनिटरिंग और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, आमजन से प्राप्त फीडबैक तथा हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली का विस्तृत आकलन किया।

आयुक्त ने कहा कि बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 का एकीकरण किया जाना चाहिए। इससे बाल संरक्षण से संबंधित मामलों में बिना किसी तकनीकी देरी के सहायता पहुंचाई जा सकेगी और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा।

फलोदी जिले के प्रभारी सचिव के रूप में उन्होंने जिले से संबंधित शिकायतों की भी लाइव मॉनिटरिंग की। समीक्षा के दौरान नयापुरा, फलोदी में पिछले तीन दिनों से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा उदय नगर एवं अन्य ग्राम पंचायतों में जर्जर और क्षतिग्रस्त 11 केवी तथा एलटी विद्युत पोलों को शीघ्र बदलने के निर्देश दिए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना या जनहानि को रोका जा सके।

उन्होंने अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों की भी समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करवा रहे हैं और उनके मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और आईटी विशेषज्ञ भी मौजूद रहे।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-4 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वैद्यजी का चैराहा निवारू रोड़, नेताजी की चक्की, इस्काई टावर के पास रोड़ नं. 1 मुरलीपुरा एवं मलखेड़ हाउस के सामने विद्याधर नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वैद्यजी का चैराहा निवारू रोड़, नेताजी की चक्की, इस्काई टावर के पास रोड़ नं. 1 मुरलीपुरा एवं मलखेड़ हाउस के सामने विद्याधर नगर आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 4 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

12 जून से 15 जुलाई तक लगेंगे शहरी सेवा शिविर, आमजन को मिलेगी राहत और विशेष छूट

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए 12 जून से 15 जुलाई 2026 तक प्रदेशभर में "शहरी सेवा शिविर-2026" आयोजित करेगी। शिविरों की तैयारियों को लेकर गुरुवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता तथा स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इन शिविरों में आमजन से जुड़े विभिन्न लंबित और नए प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा। अभियान के दौरान 69-ए, 54-ई, 50-बी और 60-सी से जुड़े मामलों, लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करने, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, सीवर कनेक्शन, मोबाइल टावर एनओसी, ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र तथा अन्य नागरिक सेवाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके अलावा शहरों में साफ-सफाई, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत, नालियों और सीवर लाइन की समस्याओं के समाधान पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों में प्राप्त सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण अभियान अवधि के भीतर ही किया जाए और किसी भी प्रकार की लंबित फाइल न रहे। उन्होंने बताया कि नागरिकों को कई विशेष छूट भी दी जाएंगी। वर्ष 2025-26 तक की बकाया लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में 100 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। वहीं फ्री होल्ड और लीज मुक्ति के लिए निर्धारित अग्रिम राशि जमा कराने पर बकाया लीज राशि में 60 प्रतिशत तक राहत प्रदान की जाएगी। नामांतरण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट भी दी जाएगी।

शासन सचिव रवि जैन ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी नगरीय निकायों और विकास प्राधिकरणों में शिविरों का आयोजन अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने कहा कि नए और लंबित दोनों प्रकार के आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही किया जाए तथा किसी भी आवेदन को निरस्त करने पर स्पष्ट कारण बताना अनिवार्य होगा। राज्य सरकार को उम्मीद है कि इस अभियान से लाखों शहरी नागरिकों को राहत मिलेगी और वर्षों से लंबित मामलों का समाधान हो सकेगा।

मानसून से पहले सरकार अलर्ट, 15 जून से 24 घंटे सक्रिय रहेंगे नियंत्रण कक्ष

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी मानसून को देखते हुए राज्य सरकार ने बाढ़, अतिवृष्टि, जलभराव और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी, समयबद्ध चेतावनी और त्वरित राहत व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण है।

डॉ. मीणा ने निर्देश दिए कि राज्य और जिला स्तर के सभी आपदा नियंत्रण कक्ष 15 जून से 24×7 सक्रिय रहेंगे। मौसम विभाग, जल संसाधन विभाग, जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन तंत्र के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाएगा ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को 'सचेत' ऐप डाउनलोड कर मौसम संबंधी अलर्ट से लगातार अपडेट रहने को भी कहा।

बैठक में बाढ़ संभावित क्षेत्रों की पहचान, राहत एवं बचाव संसाधनों की उपलब्धता और संवेदनशील इलाकों में अग्रिम तैयारियों पर विशेष जोर दिया गया। जल संसाधन विभाग को बांधों, जलाशयों और एनीकटों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए प्रभावी अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने को कहा गया। नगरीय विकास विभाग, स्थानीय निकायों और पंचायतीराज संस्थाओं को नालों की सफाई, ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने तथा जलभराव वाले क्षेत्रों में पम्पसेट, जनरेटर और अन्य आवश्यक उपकरण उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए। वहीं एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस, सिविल डिफेंस और होमगार्ड को पूरी तरह सतर्क रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के लिए तैयार रहने को कहा गया।

राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आपदा के बाद राहत पहुंचाना नहीं, बल्कि पूर्व तैयारी और चेतावनी के माध्यम से जनहानि और संपत्ति के नुकसान को न्यूनतम करना है। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत शिविरों, निकासी मार्गों, सुरक्षित आश्रय स्थलों और खोज-बचाव दलों की तैयारियों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपनी तैयारियों और कार्ययोजनाओं की जानकारी भी प्रस्तुत की।

कुरुक्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहरों से रूबरू हुए विधानसभा अध्यक्ष देवनानी

जयपुर/कुरुक्षेत्र। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हरियाणा प्रवास के दौरान गुरुवार को कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है, जो नई पीढ़ी को देश की गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने दौरे के दौरान देवनानी ने ब्रह्म सरोवर और सन्निहित सरोवर के दर्शन किए। उन्होंने इन दोनों तीर्थस्थलों को भारतीय आस्था और पौराणिक परंपराओं का प्रमुख केंद्र बताते हुए इनके ऐतिहासिक महत्व की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र का अवलोकन किया, जहां महाभारत, भारतीय इतिहास और विज्ञान को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष ने गीता ज्ञानम संस्थान, अभिमन्युपुर और ज्योतिसर स्थित महाभारत अनुभव केंद्र का भी भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि ज्योतिसर वह पवित्र स्थल है जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था। आधुनिक तकनीक से विकसित महाभारत अनुभव केंद्र भारतीय दर्शन, गीता के संदेश और महाभारत कालीन घटनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। देवनानी ने शक्तिपीठ भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा श्री वेंकटेश्वर स्वामी तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन भी किए। उन्होंने श्रीकृष्ण संग्रहालय का अवलोकन कर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, महाभारत काल और भारतीय संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शित सामग्री की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र राष्ट्र की विरासत को संरक्षित रखने और समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ब्रीफ खबरें

जेडीए की बड़ी कार्रवाई: 140 करोड़ की सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त, तीन अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा अवैध अतिक्रमण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार को जेडीए की प्रवर्तन शाखा ने विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 140 करोड़ रुपये मूल्य की 70 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया तथा 42 बीघा निजी कृषि भूमि पर विकसित की जा रही तीन अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में उप महानिरीक्षक पुलिस एवं मुख्य प्रवर्तन अधिकारी आनंद शर्मा के नेतृत्व में 8 जेसीबी मशीनों और करीब 50 कार्मिकों ने भाग लिया। कार्रवाई के दौरान जोन-10 क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुरा उर्फ रोपाड़ा, सुमेल और बगराना में स्थित लगभग 70 बीघा चरागाह भूमि पर किए गए अतिक्रमण हटाए गए। यहां अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों की बाउंड्रीवाल, टीनशेड, निर्माणाधीन ढांचे और अन्य निर्माणों को हटाकर भूमि को मुक्त कराया गया। इस भूमि का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 140 करोड़ रुपये बताया गया है। इसके अलावा जोन-12 के ग्राम सरना डूंगर, जोन-17 के ग्राम खोरा बिसल तथा जोन-19 के ग्राम बोराज-जोबनेर रोड क्षेत्र में बिना स्वीकृति और भू-रूपांतरण के विकसित की जा रही तीन नई अवैध कॉलोनियों पर भी कार्रवाई की गई। लगभग 42 बीघा भूमि पर बनाई गई मिट्टी और ग्रेवल की सड़कें तथा अन्य अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। जेडीए अधिकारियों ने बताया कि ध्वस्तीकरण पर हुए खर्च की वसूली संबंधित व्यक्तियों से नियमानुसार की जाएगी। प्राधिकरण ने आमजन से भी अपील की है कि वे अवैध निर्माण, अतिक्रमण और कब्जों की सूचना हेल्पलाइन नंबरों या राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 के माध्यम से देकर अभियान में सहयोग करें।

SDPI प्रतिनिधिमंडल ने परिजनों से की मुलाकात, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

-सरकार से 25 लाख रुपयों की आर्थिक सहायता की मांग की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में हुई पटाखा फैक्ट्री अग्निकांड की घटना के पीड़ितों एवं प्रभावितों के परिवारों से मुलाकात करने तथा घटनास्थल का जायजा लेने के लिए SDPI राजस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल में SDPI राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक हुसैन, स्टेट कमेटी सदस्य मोहम्मद जावेद, जयपुर जिला महासचिव शराफत अली सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने घायलों एवं मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा इस दुखद घटना पर शोक प्रकट कर सांत्वना दी। इस घटना पर SDPI ने राज्य सरकार एवं प्रशासन से निम्नलिखित मांग की - हादसे की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। दोषी प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता प्रदान की जाए। क्षेत्र की अन्य अवैध फैक्ट्रियों एवं जोखिमपूर्ण इकाइयों का सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। SDPI का मानना है कि ऐसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाना अत्यंत आवश्यक है ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस कठिन समय में SDPI पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है तथा न्याय, जवाबदेही और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग करती है।

निर्जला एकादशी पर चलेगा 'अमृत सेवा अभियान'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। निर्जला एकादशी के अवसर पर जयपुर नगर निगम 25 जून को शहरभर में 'अमृत सेवा अभियान' आयोजित करेगा। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत पहुंचाने और सेवा भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याणकारी सोच से प्रेरित इस अभियान के तहत विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, स्वयंसेवी संगठनों और नागरिकों के सहयोग से शहर के कई स्थानों पर सेवा शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को शीतल पेयजल, शरबत, जूस, छाछ और फलाहार वितरित किया जाएगा। नगर निगम का उद्देश्य निर्जला एकादशी को केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सेवा, जनभागीदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व के उत्सव के रूप में स्थापित करना है। अभियान में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश कसेरा ने बताया कि इच्छुक नागरिक, सामाजिक संस्थाएं, स्वयंसेवी संगठन और व्यापारिक प्रतिष्ठान amritseva.in पर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकृत प्रतिभागियों को नगर निगम की ओर से कैनोपी, टेबल, कुर्सियां, पंखे और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नगर निगम ने शहरवासियों से इस जनसेवा अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक राहत और सेवा पहुंचाई जा सके।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

एसजेईडी छात्रावासों के संचालन को लेकर बैठक आयोजित

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार एसेजईडी डीडी सत्येन्द्र पाल वीर ने गुरुवार को जिला कार्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावास अधीक्षकों के साथ आयोजित कर छात्रावासों के संचालन के संबंध में चर्चा की। बैठक में उन्होंने नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ से पूर्व छात्रावासों की मरम्मत, मानसून पूर्व की तैयारियों, साफ-सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता करने व छात्रावासों में शत्-प्रतिशत प्रवेश, विभागीय छात्रावासों में विभाग द्वारा आवासित छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली सुविधाओं की सुलभ पहुंच सुनिश्चित करने, आवासरत छात्र-छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने, छात्रावासों में समय रामय पर शैक्षणिक व मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन तथा छात्रावास का रिकॉर्ड पूर्णतया व्यस्थित रखते हुए नियमानुसार छात्रावासों का संचालन करने हेतु सुनिश्चित करने हेतु छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित किया। इस दौरान जिले के समस्त छात्रावास अधीक्षक, परिवीक्षा अधिकारी दिनेश कुमार, योजना प्रभारी लाखन सिंह बीका एवं अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

चूरू एसडीएम धीरज झाझड़िया ने अटल जन सेवा शिविर में सुने आमजन के परिवाद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार गुरुवार को चूरू एसडीएम धीरज झाझड़िया ने चूरू पंचायत समिति सभागार में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ अटल जन सेवा शिविर आयोजित कर परिवादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से विचार-विमर्श कर आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम ने सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को अपने विभाग की योजनाएं आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी, कर्मचारी अपने विभाग की योजनाओं और सेवाओं का समुचित प्रचार-प्रसार करें और यह सुनिश्चित करें कि अंतिम छोर के व्यक्ति तक इन सेवाओं-योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित हो। इसी के साथ सभी अधिकारी संपर्क पोर्टल, सीएमओ-पीएमओ प्रकरण, रात्रि चौपाल, जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का समय पर निस्तारण करें। अटल जन सेवा शिविर में राजस्व,नगरपालिका, बिजली, सांख्यिकी विभाग से संबंधित कुल 12 परिवेदनाएं प्राप्त हुई, जिनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। धीरज झाझड़िया ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में परिवेदनाओं के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। इस मौके पर तहसीलदार अशोक गोरा, बीडीओ कैलाश पचारिया, आबकारी निरीक्षक सरिता, सीडीपीओ सीमा सोनगरा, पीएचईडी से राजेन्द्र कुमार, डिस्कॉम से पूनम, बीएसएसओ रघुवीर सिंह, सानिवि से हिमांशु महला, प्रोग्रामर इंद्राज सिंह, पीए सुरेश कुमार, मेडिकल से ओमप्रकाश एवं अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

जिले में चलाया जा रहा है विशेष अभियान

खाद्य सुरक्षा टीम ने अन्नपूर्णा रसोई से खाद्य पदार्थों के 12 नमूने लिए

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में गुरूवार को चिकित्सा विभाग की खाद्य सुरक्षा टीम ने विशेष अभियान चलाकर अन्नपूर्णा रसोई की जांच कर खाद्य पदार्थों के 12 नमूने लिए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार जिले में खाद्य पदार्थ नमूनीकरण व निरीक्षण का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत खाद्य पदार्थ के नमूने लिए गए तथा खाद्य पदार्थ बेचने वाले व्यापारियों को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए। सीएमएचओ ने बताया कि गुरूवार को खाद्य निरीक्षक रतन सिंह गोदारा की टीम ने चूरू के रेल्वे स्टेशन व बस स्टैण्ड के पास संचालित अन्नपूर्णा रसोई से मसाले के दो नमूने तथा तेल के दो नमूने लिये। इसी तरह रतनगढ़ में रेल्वे स्टेशन व बस स्टैण्ड के पास संचालित अन्नपूर्णा रसोई से आटे के 02 तथा मसाले के 02 नमूने लिये। सरदारशहर में कच्चा बस स्टैण्ड के पास संचालित अन्नपूर्णा रसोई से आटे व चावल का एक-एक नमूना तथा तेल के दो नमूने लिये। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व बुधवार को भी टीम ने चूरू के राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल कैटींन से दलिया का नमूना लिया। इसके अलावा मेडिकल कॉलेज में संचालित कैंटीन का निरीक्षण कर साफ-सफाई के लिए पाबंद किया। सभी नमूनों को जांच के लिए जयपुर प्रयोगशाला भेजा गया है। जहां नमूनों के अमानक व सब स्टेण्डर्ड पाये जाने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जायेगी। जिले में विशेष अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

कांग्रेसजन व पुलिस कर्मियों में धक्का मुक्की, सर्किट हाउस के गेट पर चिपकाया ज्ञापन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शासन नगरीय निकाय एवं पाली जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा के पाली आगमन पर सर्किट हाउस में पाली शहर की ज्वलंत जनसमस्याओं के समाधान को लेकर पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा के नेतृत्व में बड़ी तादाद मे पाली कांग्रेसजनों ने सर्किट हाउस पर प्रभारी मंत्री को ज्ञापन देने के लिए एकत्रित हुए लेकिन जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन को पूर्व में सूचित करने के बाद भी प्रभारी मंत्री मिलने व ज्ञापन लेने को तैयार नही हुए, इस पर कांग्रेसजन कड़ी धूप में सर्किट हाउस के गेट पर धरना देकर बैठ गए एवं लगातार नारेबाजी की। लभगभ तीन घण्टे से अधिक समय होने पर भी मंत्री ने ज्ञापन नही लिया तो सर्किट हाउस के मुख्य द्वार पर ज्ञापन चस्पा कर मौजूद महिला कार्यकर्ताओं ने चूड़ियां ज्ञापन के पास रख दी। इस दौरान कड़ी धूप के बावजूद मंत्री को ज्ञापन देने की मशक्कत करते रहे है । इस दौरान पुलिस से कांग्रेस जनों की एक दो बार झड़प हुई। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कहा कि हम लोकतांत्रिक तरीके से पाली शहर की जनसमस्याओं के समाधान हेतु स्वायत्त शासन व जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा को ज्ञापन देने आए थे। लेकिन मंत्री जी सत्ता के अहंकार में प्रमुख विपक्षी दल के जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं से मिलने तक को तैयार नहीं हैं और

ना ही उन्हें ज्ञापन लेने की फुर्सत मिली तीन घण्टे से ज्यादा हम सूरज की तेज तपिश में सड़क पर बैठे रहे है। मंत्री खर्रा के हठधर्मिता के चलते आज स्वयं के प्रभार जिले में पाली जिले में विकास कार्य ठप्प ओर निकाय चुनाव गत दो वर्षों से लंबित पड़े है। घण्टों इंतजार के बाद बैरंग लौटना पड़ा इससे यह बात सिद्ध हो गई जिला प्रभारी मंत्री को जनहित कार्यो से कोई सरोकार नही है। निम्बाडा ने कहा कि पाली शहर की समस्याओं का शीघ्रताशीघ्र निस्तारण करवाया जावे यदि सात दिवस के भीतर-भीतर समस्याओं का समाधान न होने पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा 18 जून को आन्दोलनात्मक रूख अख्तयार करना पड़ेगा जिसकी समस्त जवाबदारी राज्य सरकार व जिला प्रशासन की होगी। वंही पाली शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने कहा कि प्रभारी मंत्री के प्रभार क्षेत्र में पाली नगर निगम की बजट के अभाव में दयनीय हालत है। विकास कार्य ठप्प है। इस दौरान पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, महावीर सिंह सुकरलाई, मदनसिंह जागरवाल, जोगाराम सोलंकी, सुमित्रा जेन, प्रकाश सांखला, जीवराज बोराणा, मेहबूब टी, भंवर राव, प्रकाश सीरवी, गोविंद बंजारा, यशपालसिंह कुम्पावत, राजेन्द्र सिंह जाखोड़ा, रतन उदेश, ताराचन्द चन्दनानी, ओमा चौधरी, कृष्णा सांसी, संतोख सिंह बाजवा, रफीक गौरी, दिलीप ओड, जावेद सिरोहा, विजय जोशी, तालिब अली चूडीघर, रफीक चौहान, मांगूसिंह दुदावत, गणपत पटेल, रमेश चावला, अशोक कुलदीप, भेराराम गुर्जर, चन्द्रकांत मारू, दिनेश दवे,बाबू कीर, राजू सोलंकी, चेलाराम रारबड़ा, शकील नागोरी, अमजद अली रंगरेज, असगर कुरैशी, राजूसिंह सोनाई माझी, चन्द्रपाल सिंह पुनायता, अरबाज खान, शाहिद पिनु, इलू अब्बासी, आबिद चढ़वा, ओटाराम चौधरी, मुकेश मीणा, मांगीलाल कीर, रिजवान चढ़वा, रमेश चौधरी, मुनाजिर अली चूडीघर, जिशान अली रंगरेज, अनवर सोजत, रिजवान चढ़ावा इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घुमंतू परिवारों की गुहार: आवास मिलने तक भरतपुर रोड से नहीं हटाया जाए

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी के नेतृत्व में गाड़िया लोहार समाज के घुमंतू परिवारों ने तहसीलदार को प्रार्थना पत्र सौंपकर मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग की। परिवारों ने कहा कि वर्षों से वे अस्थायी रूप से जीवन यापन कर रहे हैं और आज भी स्थायी आवास की सुविधा से वंचित हैं। प्रार्थना पत्र में मांग की गई कि गाड़िया लोहार परिवारों को रहने के लिए भूमि आवंटित की जाए तथा मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना के तहत उनके लिए मकान बनवाकर स्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए और घुमंतू परिवार भी सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार रखते हैं। परिवारों ने प्रशासन से यह भी मांग की कि जब तक उन्हें आवास योजना के तहत वैकल्पिक आवास उपलब्ध नहीं

कराया जाता, तब तक उन्हें भरतपुर रोड स्थित वर्तमान निवास स्थल से नहीं हटाया जाए। उनका कहना है कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के हटाए जाने से उनके सामने आश्रय और आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी ने प्रशासन से मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए घुमंतू परिवारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने तथा उन्हें सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को उनका अधिकार मिलना चाहिए, ताकि वे भी सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

जिला प्रभारी मंत्री खर्रा ने ली समीक्षा बैठक

विभिन योजनाओ व कामो की समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने गुरुवार को सर्किट हाउस में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली, उन्होंने पानी बिजली व चिकित्सा, बजट घोषणा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही विभिन्न विभागों की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन व बकाया कामो के बारे में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी के मौसम में व आने वाले मानसून के लिए सुचारू और निर्बाध पेयजल आपूर्ति व बिजली उपलब्धता, वितरण आदि के बारे में आवश्यक निर्देश दिये। इसके साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग में सड़कों के मरम्मत व बकाया कामो की जानकारी लेकर निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने बैठक में चिकित्सा विभाग व बांगड चिकित्सालय चिकित्सा उपायों प्रबन्धों, मौसमी बीमारियों ओपीडी के बारे में समीक्षा कर निर्देश दिये। साथ ही जल संसाधन विभाग, कृषि में खाद, बीज, उर्वरक, निर्देश दिये। उन्होंने नगर निगम को बरसात पूर्व नाला सफाई विभिन उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा कर निर्देश दिए।साथ ही यूआईटी, रोडवेज में बसों के लिए, आबकारी विभाग को, वंदे गंगा अभियान की जानकारी व

चर्चा व हरियालों राजस्थान पौधरोपण अधिक से अधिक करने व व पोधो को संरक्षित करने के लिए कहा। इस अवसर पर बैठक में जिला कलक्टर ने जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं व कामो की प्रगति की जानकारी दी। बैठक में इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, आई सीईओ मुकेश चौधरी, सहित विभिन विभागों के अधिकारी, आदि मौजूद रहे।

'केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण प्रभारी मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कामो की दी जानकारी'

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सर्किट हाउस, पाली में प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। प्रभारी मंत्री ने बताया कि बीते 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने विश्वास, विकास और जनकल्याण के मूल मंत्र के साथ कार्य करते हुए देश के हर वर्ग के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उन्होंने गरीब कल्याण, युवा सशक्तिकरण, किसान कल्याण, कृषि एवं ग्रामीण विकास, डिजिटल और आर्थिक विकास, उद्योग, रोजगार और आत्मनिर्भरता, नारी शक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, मिडिल क्लास को राहत, राष्ट्र निर्माण, 'राष्ट्र प्रथम' की भावना तथा विरासत एवं विकास जैसे विभिन्न आयामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में समान सोच के साथ कार्य कर रही है। राज्य में हर वर्ग और क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध क्रियान्वयन और गुणवत्तापूर्ण परिणाम सुनिश्चित करना है। इसी दिशा में विभिन्न विभागों के माध्यम से निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

मोदी सरकार के "बारह साल बेमिसाल" अभियान को लेकर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने ली बैठक

-16 -17 जून को लगेगी स्टेशन पर प्रदर्शनी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "बारह साल विश्वास के, विकास के एवं जनकल्याण के" अभियान के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने जिला कार्यालय पर प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक ली। भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि आगामी कार्यक्रमों के तहत 16-17 जून को दो दिवसीय मोदी सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें स्थानीय स्तर के सभी देवस्थल को प्रदर्शित किया जाएगा, मोदी सरकार के बारह साल पूर्ण पर प्रदर्शनी का आयोजन रेलवे स्टेशन के पास स्थित मॉल

पर किया जाएगा, दो दिवसीय प्रदर्शनी कार्यक्रम के समापन 17 जून को मीडिया से संवाद भी किया जाएगा, जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने बैठक के बाद भाजपा सरकार में हुए रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण एवं विकास कार्यों का रेलवे स्टेशन पर पदाधिकारियों एवं रेलवे अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया, इससे पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्र करमोदा मे आयोजित किसान सम्मेलन में भाग लिया और किसानों को "समृद्ध किसान उन्नत खेती" के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेशचंद जैन, खंडार प्रधान और कार्यक्रम संयोजक नरेन्द्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़, पंडित लालचंद गौतम, जिला महामंत्री बाबूलाल मीणा, जिला मंत्री हरफूल मरमट, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, हरिओम पटेल, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अशोकराज मीणा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मुरली गौतम, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अशोक बैंडवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष रघुनाथ वैष्णव, मनोज बैरवा आदि उपस्थित रहे।

उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में गूंजी रसीदपुर की समस्याएं

-बिजली-सड़क-नाले की सफाई समेत शिक्षा सुविधाओं की उठी मांग

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। उपखंड स्तरीय जनसुनवाई में जनसेवक भुवनेश त्रिवेदी के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर सरकार से समाधान की मांग की। ग्रामीणों ने तहसीलदार पृथ्वीराज मीणा को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए बिजली, सड़क, जल निकासी और शिक्षा से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग उठाई। ग्रामीणों ने बताया कि रसीदपुर में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का एक्सप्रेस फीडर तत्काल चालू कराया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति मिल सके। साथ ही मंडावर से आ रही करीब 50 वर्ष पुरानी 33 केवी झज्जर लाइन को हटाकर नई लाइन डलवाई जाए, क्योंकि पुरानी लाइन में आए दिन फॉल्ट होने से थोड़ी सी हवा या आंधी आते ही 10

से 12 घंटे तक बिजली गुल रहती है और हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

जनसुनवाई में रसीदपुर-मीठा से मंडावर-महवा रोड की जर्जर स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। ग्रामीणों ने सड़क के गड्ढों को भरवाकर पैचवर्क कराने की मांग की और कहा कि बरसात के दौरान यह सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। इसके अलावा ग्रामीणों ने रसीदपुर की मूल आबादी में बने नाले की तत्काल सफाई और मरम्मत कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि बारिश से पहले नाले की सफाई नहीं हुई तो नाला टूट सकता है, जिससे बारिश का पानी घरों और खेतों में भर जाएगा। इससे लोगों के मकानों को नुकसान पहुंचने के साथ फसलें भी बर्बाद हो सकती हैं।

जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में विज्ञान संकाय में बायोलॉजी विषय शुरू करने की मांग भी रखी, ताकि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य स्थानों पर भटकना न पड़े। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांगों पर त्वरित कार्रवाई कर आमजन को राहत प्रदान करने की अपील की। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर एकजुट नजर आए।

15 दिन में कचरा हटाने के लिए लोक अदालत ने नगर परिषद को दिए सख्त निर्देश

-पेट्रोल पंप के पास अवैध कचरा डंपिंग और जलाने पर लगी रोक

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । अब्दुल हासिब एडवोकेट ने बताया कि शहर के भेरू दरवाजा क्षेत्र में बरसाती लटिया नाला के पास नगर परिषद द्वारा किए जा रहे अवैध कचरा डंपिंग और उसे जलाए जाने के गंभीर मामले में स्थाई लोक अदालत, सवाई माधोपुर ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने नगर परिषद ओर सफाई निरीक्षक नगरपरिषद को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे मौके पर बचे हुए शेष कचरे को अधिकतम 15 दिनों के भीतर वहां से हटाएं। इसके साथ ही कोर्ट ने आबादी और ज्वलनशील पदार्थों के पास कचरा जलाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। अधिवक्ता ने बताया कि भेरू दरवाजा स्थित 'गुप्ता एच.पी. फ्यूल' पेट्रोल पंप के सहायक मैनेजर रमेश सैनी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (स्थाई लोक अदालत) के समक्ष विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम की धारा 22-बी के तहत एक परिवाद दायर किया था। परिवाद में बताया गया था

कि नगर परिषद पिछले कई महीनों से बरसाती लटिया नाला में पूरे शहर का कचरा अवैध रूप से डंप कर रही है। इस कचरे के कारण न केवल दुर्गंध और महामारी फैलने का खतरा बना हुआ था, बल्कि नगर परिषद के कर्मचारी इस कचरे में आग लगा देते थे। चूंकि इस डंपिंग साइट से मात्र 60-70 फीट की दूरी पर पेट्रोल पंप और घनी आबादी क्षेत्र स्थित है, इसलिए वहां कभी भी बड़े पैमाने पर अग्निकांड और जान-माल के नुकसान की गंभीर आशंका बनी हुई थी। बार-बार लिखित शिकायतों के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो पीड़ित पक्ष ने अदालत की शरण ली। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष देवेंद्र दीक्षित और सदस्य जूली खण्डेलवाल की पीठ ने निम्नलिखित ऐतिहासिक आदेश जारी किए।

15 दिन में सफाई का दिया अल्टीमेटम:

नगर परिषद को निर्देश दिया गया है कि फोटोग्राफ्स में दिख रहे स्थान पर बचे हुए बाकी कचरे को हर हाल में अगले 15 दिनों के भीतर वहां से पूरी तरह साफ किया जाए। अदालत ने आदेश दिया है कि कचरा किसी भी ऐसे स्थान पर कतई न जलाया जाए, जहां आसपास कोई ज्वलनशील पदार्थ (जैसे पेट्रोल पंप) का भंडारण हो या फिर घनी आबादी क्षेत्र हो। इसमें पूरी तरह रोक है।

चिन्हित स्थानों पर ही होगा डंपिंग यार्ड:

कचरा केवल उसी स्थान पर एकत्रित किया जाए जो कानूनन इसके लिए पहले से तय और चिन्हित है। किसी भी अनधिकृत या प्रार्थी के पेट्रोल पंप वाले स्थान पर कचरा नहीं डाला जाएगा। अदालत ने इस मामले को पूरी तरह निस्तारित करते हुए पत्रावली को दाखिल दफ्तर करने के आदेश दिए हैं। इस फैसले से स्थानीय निवासियों और पेट्रोल पंप पर आने-जाने वाली जनता ने राहत की सांस ली है, क्योंकि लंबे समय से उनके जीवन और सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा था।

ड्रेनेज के खुले नाले में गिरा सांड बड़ी मशक्कत से निकाला बाहर

-नगर परिषद की लापरवाही ले डूबेगी कभी किसी की जान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित भाईजी चौक पर खुले पड़े ड्रेनेज नाले में सांड गिर गया जिससे आसपास के बाजार में हलचल मच गई और नगर परिषद को सूचना करने के बाद नगर परिषद् टीम एवं ठेकेदार टीम और हनुमानगढ़ी गौ शाला टीम ने मेहनत कर सांड को सकुशल बाहर निकाला एवं गौ शाला के डॉक्टर टीम भी मौके पर उपस्थित रहे। ज्ञात रहे काफी समय से यह नाला खुला और कई जगह से टूटा हुआ है जिसकी सूचना और मीडिया के माध्यम से कई बार नगर परिषद को अवगत करवाया गया। लेकिन प्रशासन की लापरवाही से आज बड़ा हादसा होते- होते बच गया सड़क के बीचो-बीच बने चेबर में गिरे सांड की वजह से आसपास में मची अफरा-तफरी! राहगीरों की नजर पड़ते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। काफी मशक्कत के बाद सांड को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया गया। यह घटना एक बार फिर खुले चैंबर और सड़क सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े करती है। अगर समय रहते ध्यान न जाता, तो हादसा और भी गंभीर हो सकता था। जिला प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए।

सहायक निदेशक भारत भूषण पूनिया ने किया ग्राम पंचायत घांघू का निरीक्षण

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत घांघू में गुरुवार को राज्य स्तरीय अधिकृत निरीक्षण अधिकारी एवं पंचायती राज विभाग के सहायक निदेशक भारत भूषण पूनिया ने विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत प्रशासन, स्वच्छता व्यवस्था तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पूनिया ने ग्राम पंचायत भवन, स्वच्छता अभियान की प्रगति, घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था, संबंधित रजिस्टरों के संधारण, सामुदायिक शौचालय, पिंक शौचालय, कचरा परिवहन टेंडर, बर्तन बैंक तथा ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा रिकॉर्ड के नियमित संधारण के निर्देश दिए। सहायक निदेशक ने ग्राम पंचायत परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए पौधारोपण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं पौधों में पानी देकर उनके संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही पक्षियों के लिए लगाए गए परिंडों में भी पानी भरकर जीव-जंतुओं और पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय दिया। उनके इस कार्य की ग्रामीणों ने सराहना की। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए भारत भूषण पूनिया ने कहा कि घांघू पंचायत स्वच्छता, जागरूकता और विकास कार्यों के लिए चर्चित रही है। आगे भी यह क्रम बने रहना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीणों से आगामी मानसून सत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल कर उन्हें पेड़ बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों से अपने घरों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। गांव में स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए कचरे का उचित निस्तारण करना चाहिए तथा सड़कों और गलियों में कचरा फैलाने से बचना चाहिए।जल संरक्षण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पानी प्रकृति का अनमोल संसाधन है और इसका विवेकपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों को जल की बर्बादी रोकने तथा वर्षा जल संरक्षण के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन चूरू के जिला समन्वयक श्यामलाल पारीक, ब्लॉक समन्वयक राजीव कुमार बारी, सरपंच विमला देवी, ग्राम विकास अधिकारी विक्रम सिंह गुर्जर, समाजसेवी महावीर नेहरा, परमेश्वर लाल दर्जी, वरिष्ठ लिपिक सत्यप्रकाश मीणा, कृषि पर्यवेक्षक कर्मवीर गोदारा, देवकरण कालेर, कमलेश शर्मा, बन्ने खां, केशरदेव गुरी, सुगनाराम मांझु, अजय जांगिड़, आजम पहाड़ियान, युसूफ खान, बीरबल नोखवाल तथा राजेंद्र फगेड़िया सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पंचायत की विभिन्न गतिविधियों और विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

ब्रीफ खबरें

बॉयज विला प्रतिष्ठा का रफीक मंडेलिया ने किया उद्घाटन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय नई सड़क पर बॉयज विला प्रतिष्ठान के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष रफ़ीक मंडेलिया ने कहा ईश्वर से प्रार्थना है कि यह प्रतिष्ठान निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करे तथा चूरू के युवाओं एवं नागरिकों को बेहतर सेवाएँ प्रदान करते हुए सफलता की ऊँचाइयों को प्राप्त करे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर काज़ी मौलाना अहमद अली शाह ने इस प्रतिष्ठान की कामयाबी के लिए दुवाएं की। कार्यक्रम संचालन जमील चौहान ने किया। आयोजक नफीस अली व इमरान रमजान कुरैशी ने अतिथियों का गुलदस्ता देकर सम्मान और स्वागत किया। इस अवसर पर असलम खोखर धर्मेन्द्र बुडानिया, आदूराम न्यौल, मोहम्मद हुसैन निर्वाण, हेमन्त सिहाग, नारायण बालान, संजय भाटी, हमीद कुरैशी, हाकम अली, मुमताज कुरैशी, खुर्शीद, मोहम्मद वसीम, इरफ़ान अली, चंद्रभान शर्मा, नदीम रघु, असलम, शाहरुख खान आदि का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित सभी सम्मानित गणमान्यजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने प्रतिष्ठान की कामयाबी और सफलता के लिए दुवाएं की।

पाटोली गांव में स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर किया गया रक्तदान

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड क्षेत्र के पाटोली गांव में राजेश पायलट की 26वीं पुण्यतिथि पर रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया। पाटोली गांव के आई टी केंद्र पर आयोजित किए शिविर में युवाओं द्वारा राजेश पायलट की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। शांति ब्लड सेंटर जयपुर की टीम द्वारा ब्लड एकत्रित किया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस अवसर युवाओं ने स्वर्गीय पायलट के योगदान को याद किया, उन्होंने बताया कि राजेश पायलट ने दौसा को देश में एक विशिष्ट पहचान दिलाई थी अपने पूरे जीवन में उन्होंने गरीब, किसान, दलित और पिछड़ों की आवाज को बुलंद किया, उनका दौसा से राजनीतिक ही नहीं पारिवारिक लगाव भी था। इस अवसर पर जितेंद्र सिंह गुर्जर, महेंद्र गुर्जर, दीपक शर्मा,भंवर सिंह गुर्जर,रतन सिंह,जतन गुर्जर सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

बीमार एंबुलेंस के भरोसे मरीजों की जिंदगी!

हिण्डौन जिला अस्पताल में लापरवाही से तड़पा हार्ट पेशेंट

-एम्बुलेंसों के मेंटिनेंस पर कागजों में ख़र्च, हकीकत में नहीं बेसिक सुविधा

हनीस शेख

हिण्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। शहर के सबसे बड़े राजकीय जिला अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्थाओं की पोल उस समय खुल गई, जब आईसीयू में भर्ती एक हार्ट मरीज को जयपुर रेफर किए जाने के दौरान एंबुलेंस की बदहाल स्थिति सामने आई। परिजनों ने आरोप लगाया कि एंबुलेंस में आवश्यक सुविधाओं के अभाव और लापरवाही के चलते मरीज की जान जोखिम में पड़ गई। जानकारी के अनुसार अस्पताल से मरीज को जयपुर रेफर किए जाने के बाद एंबुलेंस को कॉल किया गया, लेकिन एंबुलेंस करीब 20 मिनट की देरी से मौके पर पहुंची। मरीज को एंबुलेंस में

शिफ्ट करने के बाद परिजनों ने देखा कि एंबुलेंस का पंखा बंद था, ऑक्सीजन की नली खराब थी, एयर कंडीशनर काम नहीं कर रहा था और स्ट्रेचर भी टूटा हुआ था। इतना ही नहीं, एंबुलेंस पर दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगी होने की बात भी सामने आई। परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस में पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के कारण मरीज की हालत बिगड़ने लगी। इस दौरान एंबुलेंस कर्मियों ने दूसरी एंबुलेंस बुलाने की बात कही, जिससे करीब आधा घंटा और देरी हो गई। लगभग एक घंटे तक मरीज एंबुलेंस में ही परेशान होता रहा और उसकी स्थिति लगातार गंभीर होती गई। मरीज की बिगड़ती हालत को देखते हुए परिजनों ने तत्काल निर्णय लेते हुए निजी एंबुलेंस की व्यवस्था की और मरीज को जयपुर के लिए रवाना किया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन और संबंधित स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। यह घटना सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के उन दावों पर सवाल खड़े करती है, जिनमें मरीजों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही जाती है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए जांच और सुधारात्मक कार्रवाई करता है।

गांव मलकाना कलां एवं मोहलां में नशा मुक्त कार्यक्रम आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव एवं पुलिस अधीक्षक हरीशंकर के नेतृत्व में नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत मलकाना कलां एवं मोहलां में नशा मुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सामाजिक बुराई के विरुद्ध अभियान नहीं है, बल्कि यह हमारी सीमाओं, हमारे परिवारों और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हमारे जवान दिन-रात सीमा पर खड़े होकर देश की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने गांव, अपने घर और अपने बच्चों को नशे से बचाने के लिए जागरूक प्रहरी बने। यह लड़ाई किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हमारी पूरी नस्ल को बचाने की लड़ाई है। पुलिस थाना केसरीसिंहपुर के एएसआई सोहनलाल ने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना और युवाओं को इससे दूर रखना राष्ट्र सेवा का कार्य है। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि यदि गांव का कोई भी बच्चा या युवा नशे की गिरफ्त में दिखाई दे तो उसे तिरस्कार नहीं, बल्कि सहयोग और सही मार्गदर्शन दिया जाए ताकि वह सामान्य जीवन में लौट सके। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने नशा मुक्त गांव बनाने, बच्चों पर विशेष ध्यान देने, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना प्रशासन को देने तथा युवाओं को खेल, शिक्षा और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का संकल्प लिया। ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं एवं जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर नशे के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का संकल्प लिया।

कामां जनसुनवाई में जिला कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

डीग (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीति के तहत जिला कलेक्टर मयंक मनीष ने गुरुवार को कामां उपखंड मुख्यालय स्थित अटल जन सेवा शिविर में ब्लॉक स्तरीय जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए लोगों से सीधे संवाद कर उनकी शिकायतों का संज्ञान लिया तथा संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में राजस्व एवं भूमि संबंधी मामलों की बड़ी संख्या सामने आई। ग्रामीणों ने भूमि रूपांतरण, नामांतरण, पैमाइश में देरी, स्थायी पटवारी की नियुक्ति तथा राजस्व अधिकारियों की रिपोर्टों को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। जिला कलेक्टर ने सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण भी जनसुनवाई का प्रमुख मुद्दा रहा। नागरिकों ने शीतल कुंड मार्ग से अतिक्रमण हटाने, सूरज कुंड की सुरक्षा के लिए चारदीवारी निर्माण तथा सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग उठाई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

क्षेत्र में पेयजल, सड़क और सफाई व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं भी सामने आईं। चंबल परियोजना के तहत जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने, पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों और नालियों की मरम्मत, जलभराव की समस्या के समाधान तथा सफाई व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की गई। जिला कलेक्टर ने इन मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा किसानों की मांग पर कृषि विद्युत कनेक्शनों को थ्री-फेज में परिवर्तित करने के लिए विद्युत विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया। जिला कलेक्टर ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अधिक से अधिक युवा उद्यमियों एवं महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराएं

-ऋण आवेदनों का निस्तारण संवेदनशीलता से करें- जिला कलक्टर

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय परामर्श एवं समीक्षा समिति की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के तहत ऋण आवेदनों का निस्तारण संवेदनशीलता के साथ करते हुए बिना किसी ठोस कारण के आवेदनों को पैंडिंग नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बैंकों को सीडी रेश्यो बढ़ाने के भी निर्देश दिए। समारिया ने कहा कि युवा उद्यमियों एवं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के ऋण आवेदनों को प्राथमिकता से लेते हुए कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं एवं छोटे उद्यम शुरू करने वाले आवेदकों को ऋण उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। बैठक में एलडीएम श्रीमती दिलीप कौर ने बैंकिंग नेटवर्क, क्रेडिट-डेबिट अनुपात, विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों के निस्तारण, बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों आदि के बारे में जानकारी दी। रिजर्व बैंक के अग्रणी बैंक अधिकारी निहार शर्मा ने बैंक खातों की री-केवाईसी की धीमी गति को देखते हुए सभी बैंक प्रतिनिधियों को इसकी गति बढ़ाने को कहा। विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों ने उनके द्वारा स्वीकृत विभिन्न योजनाओं के ऋण आवेदनों एवं पैंडिंग प्रकरणों के बारे में जानकारी दी।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक रामप्रसाद शर्मा ने बताया कि कृषि से जुड़े ऋणों की जिले में अच्छी प्रगति है। वेयरहाउस, साइलो, कस्टम हायरिंग सेंटर, पॉली हाउस, कोल्ड हाउस, प्रोसेसिंग यूनिट सहित अन्य कृषि से जुड़े क्षेत्रों में 210 करोड़ रुपए के ऋण दिए गए हैं। बैठक में संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सविता कृष्णिया, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रमुख मृणाल मीणा, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख गौरव त्यागी, राजस्थान ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख आरपी मीणा सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया योग आमंत्रण पत्र का विमोचन

-ऐतिहासिक स्थलों पर होंगे विशेष योग सत्र

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिला प्रशासन एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को खेल संकुल में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने योग प्रचार-प्रसार हेतु तैयार विशेष प्रपत्रों (पम्पलेट/ आमंत्रण पत्र) का विमोचन किया तथा योग प्रशिक्षकों के लिए तैयार विशेष टी-शर्ट का अनावरण किया। भगवान श्री गणेश को प्रथम आमंत्रण अर्पित करने की भारतीय परंपरा का निर्वहन करते हुए समारोह के आमंत्रण पत्र का भी विमोचन किया। इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी/ योग दिवस समन्वयक डॉ. सुनील कुशवाह, श्रीजी योगशाला निदेशक व योग गुरु दीपक गुर्जर, प्रशिक्षक भूपेन्द्र योगी, बूंदी खेलकूद विकास समिति के अध्यक्ष शक्ति तोषनीवाल सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहें। जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने कहा कि योग भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर है, जो व्यक्ति, परिवार और समाज को स्वास्थ्य, संतुलन एवं सकारात्मकता से जोड़ती है। उन्होंने जिलेवासियों से परिवार सहित योग कार्यक्रमों में सहभागिता निभाने और योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। सहायक नोडल अधिकारी डॉ. कुशवाह ने बताया कि योग दिवस काउंटडाउन अभियान के अंतर्गत आगामी दिनों में बूंदी के ऐतिहासिक, पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विशेष योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जिलेभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाकर आमजन को योगाभ्यास से जोड़ने तथा जिला स्तरीय समारोह में हजारों योग साधकों, विद्यार्थियों एवं परिवारों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के प्रयास किये जाएंगे। यह कार्यक्रम योग के द्वारा समाज के प्रत्येक वर्ग को स्वस्थ जीवनशैली से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

केन्द्रीय कारागृह में विधिक सहायता क्लीनिक का एडीजे ने किया निरीक्षण

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीगंगानगर के सचिव रवि प्रकाश सुथार (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) श्रीगंगानगर द्वारा गुरूवार को केन्द्रीय कारागृह, श्रीगंगानगर में संचालित कैदी, बंदी विधिक सहायता क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में सजाबंदी व विचाराधीन बंदियों के लिए संधारित किये जा रहे विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों का जायजा लिया गया। इस दौरान बंदियों से सम्बंधित रिकॉर्ड निर्धारित प्रारूप में संधारित किया जाना पाया गया। इस दौरान केन्द्रीय कारागृह के योगा हॉल में नशील दवाओं के सेवन एवं तस्करी विषय पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान बंदियों को नशे के सेवन से होने वाले व्यक्ति के स्वास्थय पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। नशा छोड़ने व नशे से सम्बंधित किसी वस्तु के बेचान ना करने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान एडीजे सुथार ने उपस्थित बंदियों को बताया कि नशीली दवाओं का दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी वैश्विक समस्या है, जो समाज और अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इस खतरे से निपटने के लिए दुनिया भर में हर साल 26 जून 2026 को मादक पदार्थों के दुरूपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है।

उपखण्ड स्तीरीय जन सुनवाई में जिला कलक्टर ने सुनीं आमजन की समस्याएं

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। त्रिस्तरीय जन सुनवाई व्यवस्था के तहत गुरुवार को जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव ने बूंदी व हिंडोली पंचायत समिति में आयोजित उपखंड स्तरीय जन सुनवाई में आमजन की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निस्तारण कर परिवादियों को राहत देने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में उस समय एक परिवादी को बड़ी राहत मिली, जब जिला कलक्टर ने सत्यापन के अभाव में रुकी हुई वृद्धावस्था पेंशन को मौके पर ही दोबारा शुरू करवा दिया। बूंदी पंचायत समिति में जन सुनवाई के दौरान जिला कलक्टर ने सड़कों की हालत पर संज्ञान लेते हुए गड्ढों को ग्रेवल के माध्यम से तुरंत ठीक करने के निर्देश दिए। इसके अलावा अस्तोली से हट्टीपुरा तक सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई गई सड़क के किनारे पटरी बनवाने की मांग पर जिला कलक्टर ने पीडब्ल्यूडी व राजस्व विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से मौका मुआयना कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि ग्रामीण सेवा शिविरों में आने वाले प्रकरणों का पूरी गंभीरता के साथ निस्तारण किया जाएं। पात्र व्यक्तियों को सभी सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और पूर्व निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्यों को संपादित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि शिविर स्थल के बारे में आमजन को ज्यादा से ज्यादा जानकारी दी जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। 12 जून से शहरी क्षेत्रों में आयोजित होने वाले 'शहरी सेवा शिविरों' के लिए उन्होंने निर्देश दिए कि पट्टों के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण हो। उन्होंने मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश से पहले सभी नालियों और बड़े नालों की सफाई सुनिश्चित की जाएं तथा खराब स्ट्रीट लाइटों की तुरंत मरम्मत करवाई जाएं। इस दौरान जिला कलक्ट र ने स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा प्रोत्साहन योजना के तहत युवा उद्यमियों को पात्रता के अनुसार अधिकाधिक लाभ दिया जाएं। विलेज सेचुरेशन स्कीम, पीएम सूर्यघर योजना और पीएम कुसुम कम्पोनेंट (ए) जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाया जाए। इसके अतिरिक्त, उपखंड स्तर पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों, विशेषकर संपर्क पोर्टल पर दर्ज मामलों, सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, रास्ता दिलवाने के विवाद तथा पानी-बिजली की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान कार्यवाहक उपखंड अधिकारी बूंदी बनवारी लाल बेरवां, उपखंड अधिकारी हिंडोली शिवराज मीणा, तहसीलदार बूंदी अर्जुन लाल मीणा, तहसीलदार हिंडोली बनवारी लाल मीणा सहित विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

अल्फा का टीजर रिलीज पहले नहीं देखा होगा आलिया भट्ट का ऐसा इंटेंस रोल

टीजर के दूसरे हिस्से में आलिया भट्ट पूरी तरह एक्शन अवतार में नजर आती हैं। वह दुश्मनों से लड़ती और मिशन पूरा करती दिखती हैं। वहीं शरवरी और अनिल कपूर भी फिल्म में अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म का टोन काफी इंटेंस और थ्रिल से भरपूर रखा गया है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की नई फिल्म अल्फा का रिलीज हो गया है। इस फिल्म को शिव रावल ने डायरेक्ट किया है। टीजर में महिला स्पाई की स्टोरी दिखाई है, जो एक सीक्रेट एजेंसी के लिए काम करती है. फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। टीजर की शुरुआत एक इमोशनल सीन से होती है, जहां बॉबी देओल और आलिया भट्ट को बाप-बेटी का रिश्ता दिखाया गया है. लेकिन कहानी तब बदल जाती है जब 18वें जन्मदिन पर आलिया को एक डिनर पार्टी की उम्मीद होती है, लेकिन इसके बजाय उसे एक खतरनाक मिशन का तोहफा मिलता है। बॉबी उसे एक कमरे की चाबी देकर उसका पहला टास्क सौंपते हैं। टीजर में आगे दिखाया गया है कि आलिया भट्ट का किरदार बचपन से ही इस सीक्रेट प्रोग्राम का हिस्सा रहा है। उसे एक खास मिशन के लिए तैयार किया गया है, जहां नई पीढ़ी के सोल्जर्स तैयार किए जाते हैं। एक सीन में बॉबी देओल उसके हाथ पर टैटू बनाते नजर आते हैं, जो इस सीक्रेट एजेंसी की पहचान का प्रतीक है। टीजर के दूसरे हिस्से में आलिया भट्ट पूरी तरह एक्शन अवतार में नजर आती हैं। वह दुश्मनों से लड़ती और मिशन पूरा करती दिखती हैं। वहीं शरवरी और अनिल कपूर भी फिल्म में अहम किरदार निभाते दिखाई देंगे। फिल्म का टोन काफी इंटेंस और थ्रिल से भरपूर रखा गया है। अल्फा यशराज के बड़े स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। आलिया ने हाल ही में कहा था कि यह उनके लिए एक नया और चुनौतीपूर्ण जॉनर है, क्योंकि भारत में फीमेल-लीड एक्शन फिल्मों को अभी पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया है। फिल्म 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ब्रांड्स की पहली पसंद नहीं बन पाईं

तापसी पन्नू

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू करीब एक साल तक सोशल मीडिया से दूर रहने के बाद फिर से डिजिटल दुनिया में लौट आई हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि लगातार सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने का दबाव उन्हें मानसिक रूप से थका रहा था। ट्रेंड्स का हिस्सा बनना, नियमित पोस्ट करना और हर समय ऑनलाइन मौजूद रहना उनके लिए चुनौती बन गया था। इसी कारण उन्होंने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने का फैसला किया और अपने फोन से कई सोशल मीडिया ऐप्स भी हटा दिए थे। तापसी ने कहा कि सोशल मीडिया से दूरी बनाने के बाद उन्हें वास्तविक जीवन को करीब से जीने का अवसर मिला। उन्होंने महसूस किया कि लोगों से सीधे जुड़ना, अपने अनुभवों को बिना रिकॉर्ड किए जीना और निजी जीवन को समय देना कहीं अधिक संतोषजनक है। अभिनेत्री का मानना है कि कलाकारों को हर समय खुद को लोगों के सामने प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है और निजी जीवन की भी अपनी अहमियत होती है। अभिनेत्री ने यह भी खुलासा किया कि सोशल मीडिया पर कम सक्रिय रहने का असर उनके पेशेवर जीवन पर पड़ा। कई ब्रांड्स ऐसे कलाकारों को प्राथमिकता देते हैं जो डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर आते हैं। तापसी के मुताबिक, आज सोशल मीडिया एक प्रभावशाली मार्केटिंग टूल बन चुका है, जिससे कलाकारों पर लगातार सक्रिय रहने का दबाव बढ़ गया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो तापसी जल्द ही 'वो लड़की कहां है?' और 'गांधारी' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

माधुरी दीक्षित कैसे बनीं 'तेजाब' की मोहिनी?

निर्देशक एन. चंद्रा ने किया खुलासा

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित को आज भी फिल्म 'तेजाब' की 'मोहिनी' के रूप में याद किया जाता है। यह वही फिल्म थी जिसने माधुरी दीक्षित के करियर को नई ऊंचाई दी और उन्हें हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया, लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि इस यादगार किरदार के लिए माधुरी का चयन कैसे हुआ था। अब फिल्म के निर्देशक एन. चंद्रा ने इस राज से पर्दा उठाया है और बताया है कि आखिर क्यों इस फिल्म के लिए माधुरी ही उनकी पहली और आखिरी पसंद थीं। डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के एक एपिसोड में एन. चंद्रा ने उस दौर की यादें साझा कीं। उन्होंने कहा, ''जब मैंने पहली बार माधुरी दीक्षित को देखा था, तभी मुझे लगा था कि इस लड़की में कुछ अलग बात है। एन. चंद्रा ने कहा, 'उस समय 'बजरंगी' नाम की एक फिल्म बन रही थी और मैं उसकी एडिटिंग कर रहा था। फिल्म के सेट पर पहुंचने के बाद किसी ने मेरी मुलाकात माधुरी से करवाई। उस समय माधुरी अपने करियर के शुरुआती दौर में थीं। शायद उसी पल मेरे मन में यह बात बैठ गई थी कि भविष्य में अगर मौका मिला तो मैं माधुरी के साथ जरूर काम करूंगा। जब मैंने 'तेजाब' की कहानी पर काम शुरू किया और 'मोहिनी' के किरदार के बारे में सोचा, तब मेरे दिमाग में केवल एक ही नाम था और वह नाम था माधुरी दीक्षित। इस भूमिका के लिए मेरी पहली पसंद भी माधुरी थीं और आखिरी पसंद भी। एन. चंद्रा ने कहा, ''कई बार किस्मत भी बड़ी भूमिका निभाती है। उस समय फिल्म के हीरो अनिल कपूर थे और अनिल कपूर के सेक्रेटरी राकेश नाथ ही माधुरी दीक्षित के भी सेक्रेटरी थे, जिसके चलते दोनों कलाकारों की तारीखें और अन्य जरूरी बातें तय करना आसान हो गया। 11 नवंबर 1988 को रिलीज हुई 'तेजाब' उस दौर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन गई। फिल्म में माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की और साल 1988 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

लॉक अप : सच या सजा

जेल के अंदर फराह खान और रितेश देशमुख की एंट्री ने बढ़ाया सस्पेंस

नेटफ्लिक्स ने अपने चर्चित रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' का पहला वीडियो जारी कर दिया है। इस छोटे से वीडियो ने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वीडियो में फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेता रितेश देशमुख जेल के अंदर नजर आ रहे हैं। हालांकि शो के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इस झलक ने लोगों के मन में कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। इंस्टाग्राम पर जारी किए गए वीडियो में फराह खान और रितेश देशमुख को कैदियों की तरह दिखाया गया है। क्लिप में फराह खान को कैदी संख्या 06 और रितेश देशमुख को कैदी संख्या 27 के रूप में दिखाया गया है। दोनों जेल की कोठरियों में कैद हैं। जेल का माहौल रहस्य और तनाव से भरा है। वीडियो में आगे जब फराह और रितेश आमने-सामने आते हैं, तो पहले दोनों एक-दूसरे को देखते हैं, फिर चालाकी भरी मुस्कान के जरिए सस्पेंस छोड़ जाते है।

वीडियो के आखिर में 'टू बी कंटिन्यू' लिखा आता हैं। इस वीडियो को साझा करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, ''दो खास मेहमान... एक लॉक अप.... 'लॉक अप-सच या सजा' 27 जून से शनिवार से बुधवार तक रात आठ बजे प्रसारित होगा।'' फिलहाल शो के नियम, कंटेस्टेंट्स और फॉर्मेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर लोग अलग-अलग तरह के अनुमान लगा रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि फराह खान और रितेश देशमुख शो में कंटेस्टेंट के रूप में दिख सकते हैं, जबकि कुछ दर्शकों का मानना है कि वह दोनों केवल प्रमोशन वीडियो का हिस्सा हैं। इस नए सीजन से लोगों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह साल 2022 में आया पहला सीजन है, जिसने दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। जेल की थीम पर आधारित इस रियलिटी शो ने उस समय खूब सुर्खियां बटोरी थीं। पहले सीजन की मेजबानी अभिनेत्री कंगना रनौत ने की थी और मुनव्वर फारुकी विजेता बनकर निकले थे।

सलमान खान की करीबी दोस्त कुमुद राणे का निधन, सोहेल-अर्पिता ने व्यक्त किया शोक

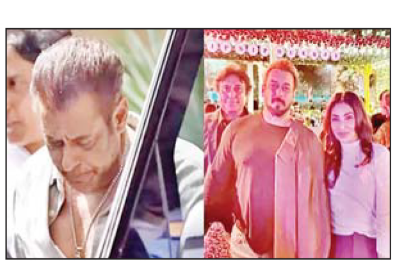

सलमान खान की करीबी दोस्त कुमुद राणे के निधन पर खान परिवार समेत यूलिया वंतूर ने शोक व्यक्त किया है। सलमान खान के भाई सोहेल खान, बहन अर्पिता खान शर्मा और करीबी दोस्त यूलिया वंतूर ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुमुद को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अभिनेता सोहेल खान ने इंस्टाग्राम पर कुमुद के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं। सोहेल ने कुमुद के साथ अपने रिश्ते को याद करते हुए लिखा, 'आज मैंने अपनी प्यारी बहन को खो दिया। दुनिया में कोई भी उसकी जगह नहीं ले सकता। मेरी संवेदनाएं जग्गी और कबीर के साथ हैं, क्योंकि कुमुद उनकी जिंदगी का अहम हिस्सा थीं। ऐसे समय में लगता है कि जिंदगी कितनी नाइंसाफी करती है और आप भगवान पर सवाल उठाने लगते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह जहां भी हों, खुश रहें। हम उन्हें हमेशा याद करेंगे। 'सलमान खान की बहन अर्पिता खान शर्मा ने भी इंस्टाग्राम पर कुमुद के साथ तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'प्यारी कुमु, तुम्हारे साथ बिताए गए हर पल को हमेशा याद रखूंगी। आपका अपनापन, प्यार और मजाकिया अंदाज बहुत याद आएगा। हम आपसे प्यार करते हैं। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे, मेरी प्यारी दोस्त। ' वहीं, यूलिया वंतूर ने कुमुद और उनके पति जग्गी राणे की एक तस्वीर शेयर करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा, 'मैं तुम्हें हमेशा इसी तरह याद रखूंगी- खुश, प्यार से घिरी हुई और अपने प्रिय लोगों के बीच मुस्कुराती हुई। तुम हमेशा हमारे दिलों में रहोगी। 'कुमुद राणे का 9 जून 2026 को मुंबई में कैंसर के कारण निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में सलमान खान, अर्पिता खान शर्मा और सोहेल खान समेत खान परिवार के अन्य सदस्य भी पहुंचे। इस दौरान परिवार गमगीन नजर आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुमुद राणे एक उद्यमी थीं और दुबई में 'रेन ब्यूटी बार' की संस्थापक थीं।

अजय देवगन ने धमाल 4 की नई डेट का किया एलान

उम्मीद से पहले सिनेमाघरों में मचेगा धमाल

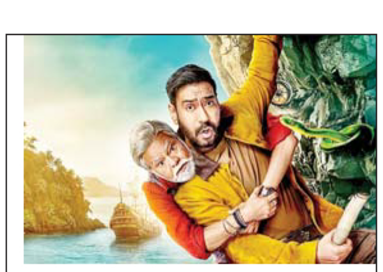

बॉलीवुड की सबसे पॉपुलर और चहेती कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' के फैंस के लिए एक बेहद एक्साइटिंग खबर सामने आई है। सुपरस्टार अजय देवगन ने अपनी आगामी मोस्ट-अवेटेड कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म 'धमाल 4' को लेकर एक बड़ा ऑफिशियल अपडेट शेयर किया है। बॉलीवुड की सबसे पॉपुलर और चहेती कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' के फैंस के लिए एक बेहद एक्साइटिंग खबर सामने आई है। सुपरस्टार अजय देवगन ने अपनी आगामी मोस्ट-अवेटेड कॉमेडी-एडवेंचर फिल्म 'धमाल 4'को लेकर एक बड़ा ऑफिशियल अपडेट शेयर किया है। अजय देवगन ने न सिर्फ फिल्म की नई रिलीज़ डेट का कन्फर्मेशन दिया है, बल्कि सोशल मीडिया पर फिल्म का चमचमाता 'गोल्ड लोगो' भी जारी कर दिया है।इस नए अपडेट की सबसे खास बात यह है कि 'धमाल 4' अपनी पुरानी तय तारीख से पहले, यानी इसी साल जुलाई 2026 में ही सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह तैयार है। लोगो और तारीख के एलान के साथ ही मेकर्स ने फिल्म का प्रमोशन कैंपेन तूफानी रफ्तार से शुरू कर दिया है। गोल्ड लोगो के रिलीज होने के बाद सिनेमाप्रेमियों के बीच फिल्म के ट्रेलर को लेकर उत्सुकता चरम पर पहुंच गई है। फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुकी कॉमेडी और अफरा-तफरी का यह अनोखा मिश्रण 10 जुलाई 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कमाई के कई नए रिकॉर्ड ध्वस्त कर सकती है।

काम मिलना बंद हो गया था शिल्पा शेट्टी ने करियर के सबसे मुश्किल दौर का सुनाया किस्सा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को फिटनेस क्वीन, टीवी स्टार, बिजनेसवुमन और प्रेरणादायक शख्सियत के तौर पर जाना जाता है, लेकिन उनका सफर हमेशा आसान नहीं रहा। एक समय ऐसा भी आया था जब उन्हें फिल्में मिलनी लगभग बंद हो गई थीं और कई प्रोड्यूसर्स उन्हें अपनी फिल्मों से बाहर कर देते थे। खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें लगने लगा था कि उनका करियर पीछे जा रहा है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की, आखिरकार अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहीं।शिल्पा ने पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अपने पिता के काम में हाथ बंटाने लगी थीं। इसी दौरान एक फैशन शो में हिस्सा लेने का मौका मिला। वहां एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं, और यही तस्वीरें उनके लिए मॉडलिंग की दुनिया का दरवाजा खोल गईं। मॉडलिंग में सफलता मिलने के बाद उन्हें फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। शिल्पा ने 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में उनके साथ शाहरुख खान और काजोल थे। फिल्म सुपरहिट साबित हुई और शिल्पा की भी खूब चर्चा हुई। 1990 के दशक में वह 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी कई चर्चित फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती गईं। सफलता का यह सफर हमेशा नहीं रहता है। शिल्पा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर के एक दौर में उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। कई बार ऐसा हुआ जब उन्हें फिल्म के लिए चुना गया, लेकिन बाद में प्रोड्यूसर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर कर दिया। लगातार मिल रही निराशा ने उन्हें परेशान जरूर किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। साल 2000 में आई फिल्म 'धड़कन' ने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया, और वह एक बार फिर चर्चा में आ गईं। इसके बाद उन्होंने 'रिश्ते', 'फिर मिलेंगे', 'दस' जैसी फिल्मों में काम किया। खासकर 'फिर मिलेंगे' में एचआईवी पीडित महिला के किरदार ने उनके अभिनय की नई पहचान बनाई। फिल्मों के साथ-साथ शिल्पा ने टीवी की दुनिया में भी अपनी मजबूत जगह बनाई। ब्रिटेन के चर्चित रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में हिस्सा लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की। शो में नस्लीय टिप्पणियों का सामना करने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विजेता बनकर उभरीं। इस जीत ने उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बना दिया। शिल्पा फिटनेस की पहचान भी बन चुकी हैं। योग और स्वास्थ्य को लेकर उनकी पहल को लोगों ने खूब पसंद किया। समाज सेवा और जनजागरूकता अभियानों में योगदान के लिए भी उन्हें कई सम्मान मिले। उन्हें आईफा स्पेशल अवॉर्ड फॉर ग्लोबल इम्पैक्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स की मानद डॉक्टरेट और स्वच्छ भारत अभियान से जुड़े कार्यों के लिए 'चैंपियंस ऑफ चेंज' सम्मान जैसे कई पुरस्कार प्राप्त हुए।

(साभार एजेंसी)

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को 21 साल बाद हराया

मीरपुर वनडे में 86 रन से मात दी, नाहिद राणा ने 4 विकेट झटके

मीरपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश ने मीरपुर में खेले गए पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 86 रन से हरा दिया। बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास में यह केवल दूसरी जीत है। उसने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार 2005 में हराया था। टीम में 4 साल बाद वापसी कर रहे मोसाद्देक हुसैन ने मीरपुर वनडे में नाबाद 86 रन की पारी खेली और फिर 2 विकेट भी लिए।

नाहिद राणा ने 4 विकेट झटके। ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले हफ्ते पाकिस्तान से वनडे सीरीज 1-2 से हारने के बाद बांग्लादेश पहुंची है। उसे यहां पहले ही मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

खराब रोशनी और बारिश के कारण रुका मैच – बांग्लादेश ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 284 रन बनाए। 285 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने जब 42.2 ओवरों में 9 विकेट खोकर 191 रन बनाए थे, तभी बिजली कड़कने और बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू न होने की स्थिति में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रन से विजेता घोषित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

मोसाद्देक हुसैन की शानदार वापसी, शांतो और तंजीद के भी अर्धशतक – मोसाद्देक हुसैन बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने महज 70 गेंद में 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन कूट डाले। हालांकि, इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई फील्डर्स ने उन्हें तीन जीवनदान भी दिए। कूपर कॉनोली, ओलिवर पीक और एडम जम्पा ने उनके कैच छोड़े, जिसका मोसाद्देक ने पूरा फायदा उठाया। उनके अलावा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 67 और ओपनर तंजीद हसन ने 54 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।ऑस्ट्रेलिया की तरफ से नाथन एलिस सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 38 रन देकर 3 विकेट लिए।मोसाद्देक हुसैन ने 70 गेंदों पर नाबाद 86 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

वनडे विश्व कप सेमीफाइनल के बाद सचिन तेंदुलकर सर से मिली थी ये सलाह : जेमिमा रोड्रिग्स

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का कहना है कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के एक फोन कॉल ने उन्हें एकाग्रता वापस पाने में मदद की क्योंकि पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में खेली गई अपनी यादगार पारी के बाद वह काफी भावुक और उत्साहित थीं। जेमिमा ने नाबाद 127 रन की शानदार पारी खेलकर भारत को पिछले साल नवी मुंबई में अपना पहला विश्व खिताब जीतने के रास्ते में दुनिया की सबसे मजबूत टीम ऑस्ट्रेलिया को हराने में मदद की। उन्होंने कहा कि तेंदुलकर की सलाह ने उन्हें एकाग्रता बनाए रखने में मदद की। जेमिमा ने जियो हॉटस्टार से कहा, सचिन सर ने मेरे कोच प्रशांत शेट्टी को फोन किया। उन्होंने उनसे कहा कि वह मुझे बताएं कि वह समझते हैं कि पिछले कुछ दिन मेरे लिए बहुत भारी रहे हैं, सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी पारी खेलना, उन्हें हराने की खुशी। उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने मुझे याद दिलाया कि काम अभी खत्म नहीं हुआ है। हमें अब भी फाइनल जीतना था। उन्होंने कहा, उसे एक तरफ रखने की कोशिश करो और शून्य से शुरुआत करो। उस संदेश ने मेरा मन शांत करने में काफी मदद की।जेमिमा ने कहा, मैं समझ गई कि आपने पहले क्या किया है उससे आप अगला मैच नहीं जीत सकते। आपको हर मैच को एक नई शुरुआत के तौर पर लेना चाहिए। एक दिग्गज की उस सलाह ने फाइनल से पहले मुझे बहुत स्पष्टता दी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में शेफाली वर्मा (87 रन और 36 रन पर दो विकेट) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन ने भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई। सलामी बल्लेबाज शेफाली ने बताया कि उस समय उनके पिता की कही बातों ने उन्हें बहुत हिम्मत दी। शेफाली ने कहा, फाइनल से पहले हमें दो दिन का आराम मिला था। मेरे पिता ने मुझे एक वॉयस नोट भेजा। उन्होंने कहा, बस कड़ी मेहनत करो। मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दो और ऐसा कुछ कर दिखाओ कि इतिहास में लिखा जाए कि शेफाली वर्मा ने भारत को विश्व कप जिताने में मदद की।

आईसीसी रैंकिंग : हैरी ब्रूक बने नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज

● जो रूट की बादशाहत खत्म, गिल-सुंदर ने लगाई लंबी छलांग

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग 2026 आईसीसी ने मेंस टेस्ट रैंकिंग का ताजा अपडेट जारी की है और बल्लेबाजों की लिस्ट में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रूक एक बार फिर दुनिया के नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने ही साथी जो रूट से नंबर-1 की कुर्सी छीन ली है। ब्रूक इससे पहले दिसंबर 2024 में भी नंबर-1 पर पहुंचे थे। लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के पहले मैच ने रैंकिंग पलट दी। बता दें कि इंग्लैंड-न्यूजीलैंड का पहला टेस्ट मुकाबला लो-स्कोरिंग था, जिसे इंग्लैंड ने 115 रन से जीता।

आईसीसी रैंकिंग में हैरी ब्रूक बने नंबर-1 बैटर –हैरी ब्रूक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली पारी में अहम अर्धशतक जड़ा था, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला। वहीं पूर्व कप्तान जो रूट के लिए ये टेस्ट किसी बुरे सपने से कम नहीं था। रूट दोनों पारियों में मिलाकर सिर्फ 9 रन बना सके। पहली पारी में 1 और दूसरी पारी में 8 रन बनाकर वह आउट हुए। इस खराब प्रदर्शन के बाद आईसीसी टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में वह सीधे नंबर-1 से नंबर-3 पर खिसक गए हैं। उनके इस खराब प्रदर्शन का फायदा ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड को मिला है। हेड अब दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। यानी टॉप-3 में अब ब्रूक पहले, हेड दूसरे और रूट तीसरे नंबर पर हैं। बता दें कि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट 17 जून से द ओवल में खेला जाएगा। रूट के पास वापसी का मौका होगा।

गिल- सुंदर- कुलदीप को फायदा –अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में कप्तान शुभमन गिल का बल्ला गरजा। उन्होंने शानदार शतक लगाया और टीम की जीत में अहम योगदान दिया। उस शतक से गिल को आईसीसी टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में 2 पायदान का फायदा हुआ है। वो अब 8वें नंबर पर पहुंच गए हैं। कुलदीप यादव को बॉलर्स रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ और वह 14वें पायदान पर पहुंचे।वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने भी लंबी छलांग लगाई है। वह ऑलराउंडर्स रैंकिंग में 2 स्थान के फायदे के साथ 9वें स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के बेन डकेट 3 पायदान चढ़कर 15वें और विकेटकीपर जेमी स्मिथ 5 जगह की छलांग लगाकर 23वें नंबर पर आ गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को भी 15 स्थान का फायदा हुआ और वो 40वें नंबर पर पहुंच गए।

गेंदबाजी रैंकिंग में एटकिंसन छाए – आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के युवा तेज गेंदबाज गस एटकिंसन ने चमक बिखेरी। एटकिंसन 7 पायदान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं। साथ ही ऑलराउंडर्स की लिस्ट में भी वो 2 पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर आ गए हैं। लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले काइल जैमीसन 22वें और ओली रॉबिन्सन 23वें नंबर पर लौटे हैं। न्यूजीलैंड के नाथन स्मिथ ने 16 पायदान की बड़ी छलांग लगाई और 43वें नंबर पर पहुंच गए है।

आईसीस एकदिवसीय रैंकिंग में भी फेरबदल

पाकिस्तान के अबरार आईसीसी बॉलर्स रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। हाल ही में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में जीत हासिल की थी। उस सीरीज में अबरार ने 6 विकेट लिए। अब उन्हें उस शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। अबरार 2 स्थान छलांग लगाकर वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भी कमाल किया है। तीन मैचों में उन्होंने 7 विकेट चटकाए थे और अब वह रैंकिंग में 4 पायदान ऊपर चढ़कर 9वें स्थान पर आ गए हैं। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस ने भी सीरीज में 7 विकेट चटकाए थे। इसकी वजह से उन्हें 13 पायदान का फायदा हुआ और वो 31वें नंबर पर पहुंच गए। बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 4 विकेट लेने के बाद 23 पायदान ऊपर चढ़कर 24वें नंबर पर आ गए हैं।वहीं, वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में श्रीलंका के दो खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। कुसल मेंडिस 4 पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंचे और जनिथ लियानगे 6 पायदान की छलांग लगाकर 22वें स्थान पर पहुंचे हैं।

भारतीय टीम की बढ़ी मुश्किलें

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इंजरी की वजह से वनडे सीरीज से बाहर हो सकते हैं। दरअसल, हार्दिक के पैर में निगल (हल्की चोट) है, जिसके कारण उनका वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। आईपीएल 2026 के दौरान पीठ में ऐंठन की वजह से हार्दिक मुंबई इंडियंस की ओर से कुछ मुकाबले खेलते नजर नहीं आए थे। हार्दिक 2 जून से बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में मौजूद थे। माना जा रहा था कि हार्दिक को वनडे सीरीज खेलने के लिए सीओई की तरफ से हरी झंडी मिल जाएगी। हार्दिक सीओई में फिटनेस टेस्ट के दौरान पूरी तरह से फिट नजर आए थे। उन्होंने बल्लेबाजी और गेंदबाजी करने के साथ-साथ फील्डिंग ड्रिल्स में भी हिस्सा लिया था। हालांकि, यह निगल उन्हें हाल ही में हुआ है, जिसके कारण उनका 13 जून से शुरू हो रही वनडे सीरीज में खेल पाना मुश्किल

नजर आ रहा है। सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया, 'हार्दिक पांड्या को सीओई ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब पता चला है कि उनके पैर में हल्की चोट लग गई है और उन्हें रिकवरी में कुछ हफ्ते लगेंगे।

सूत्र ने आगे कहा, 'इसका मतलब है कि वह अब वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो पाएंगे और सीओई में अपने रिहैब पर ध्यान देंगे।' हार्दिक अगर इस सीरीज में टीम का हिस्सा नहीं होंगे, तो यह भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है। बल्लेबाजी के साथ-साथ हार्दिक गेंदबाजी भी करते हैं। हार्दिक 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।

हार्दिक ने अपना आखिरी वनडे मुकाबला चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में खेला था। इसके बाद से उन्होंने कोई भी एकदिवसीय मुकाबला नहीं खेला है। हार्दिक का यह इंतजार और भी लंबा हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज तक फिट हो पाते हैं या नहीं। हार्दिक से पहले विराट कोहली भी हैमस्ट्रिंग की इंजरी के कारण एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो चुके हैं। कोहली के स्थान पर यशस्वी जायसवाल को टीम में शामिल किया गया है।

विमेंस टी20 वर्ल्ड इतिहास में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में कई टीमों ने अपने दमदार प्रदर्शन से एकतरफा जीत दर्ज करते हुए रिकॉर्ड बुक में जगह बनाई है। आइए, टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से 5 सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली टीमों के बारे में जानते हैं।

- **114 रन :** विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम पर है, जिसने 21 फरवरी 2023 को पाकिस्तान के विरुद्ध केपटाउन में 114 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 5 विकेट खोकर 213 रन बनाए, जिसके जवाब में पाकिस्तान निर्धारित ओवरों में 99/9 का स्कोर ही बना सका।
- **113 रन :** साउथ अफ्रीका ने 28 फरवरी 2020 को कैनबरा में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 113 रन के अंतर से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने सलामी बल्लेबाज लिजेली ली (101) के शतक के दम पर 195/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद थाईलैंड को 19.1 ओवरों में महज 82 रन पर समेट दिया।
- **102 रन :** इस लिस्ट में न्यूजीलैंड तीसरे पायदान पर है, जिसने 19 फरवरी 2023 को पार्ल में श्रीलंका के विरुद्ध 102 रन से जीत हासिल की थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने सूजी बेट्स (56) और अमेलिया केर (66) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर 162/3 का स्कोर खड़ा किया, जिसके जवाब में श्रीलंकाई टीम 15.5 ओवरों में महज 60 रन पर सिमट गई।
- **98 रन :** इंग्लैंड ने 26 फरवरी 2020 को थाईलैंड के खिलाफ 98 रन से जीत हासिल की थी। कैनबरा में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने नैट साइवर-ब्रंट (नाबाद 59) और कप्तान हीथर नाइट (नाबाद 108) के बीच अटूट 169 रन की साझेदारी के साथ 176/2 का स्कोर बनाया। इसके जवाब में थाईलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट गंवाकर 78 रन ही बना सकी।

महिला टी20 विश्व कप

ये 5 गेंदबाज कर सकती हैं दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाना है। आइए आपको उन पांच गेंदबाजों के नाम बताते हैं, जो इस मेगा इवेंट में अपनी टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।

- **एनाबेल सदरलैंड :** भले ही सरदलैंड को ऑस्ट्रेलिया की ओर से ज्यादा कामयाबी टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में मिली हो, लेकिन वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में भी कारगर साबित हुई है। सदरलैंड का प्रदर्शन पिछले टी20 विश्व कप में कमाल का रहा था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट चटकाए थे और वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रही थीं। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया की तरफ से खेले 85 टी20 मुकाबलों में 53 विकेट निकाल चुकी हैं, जबकि वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।
- **चार्ली डीन :** इंग्लैंड की स्पिन गेंदबाज चार्ली डीन अपनी घूमती गेंदों से बल्लेबाजों को खासा तंग कर सकती हैं। डीन इंग्लैंड की ओर से खेले 51 टी20 मुकाबलों में 67 विकेट निकाल चुकी हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी 6.90 का रहा है। विकेट निकालने के साथ-साथ डीन रनों पर अंकुश लगाने के लिए भी जानी जाती हैं। यही वजह है कि इस विश्व कप में उनका प्रदर्शन इंग्लैंड के लिए काफी मायने रखेगा।
- **दीप्ति शर्मा** भारतीय गेंदबाज दीप्ति शर्मा बड़े मुकाबलों की खिलाड़ी हैं और अहम मैचों में वह दमदार प्रदर्शन करने की काबिलियत रखती हैं। 144 टी20 मुकाबलों के अपने करियर में वह 64 विकेट निकाल चुकी हैं। दीप्ति बीच के ओवरों में साझेदारी तोड़ने का हुनर बखूबी जानती हैं। दीप्ति अपनी गेंदबाजी से किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं। वह बल्ले से भी अहम योगदान दे सकती हैं।
- **अमेलिया केर :** न्यूजीलैंड टीम की कप्तान अमेलिया केर के प्रदर्शन पर इस टी20 विश्व कप में हर किसी की निगाहें रहने वाली हैं। अमेलिया के लिए यह साल गेंद और बल्ले दोनों से शानदार गुजरा है। वह 11 मुकाबलों में 6.02 की इकोनॉमी से 11 विकेट निकाल चुकी हैं। अपनी घूमती गेंदों के दम पर वह कीवी टीम के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2026 में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।
- **शबनम इस्माइल :** रिटायरमेंट से वापस लौटने वालीं शबनम इस्माइल टी20 विश्व कप 2026 में साउथ अफ्रीका के लिए वरदान साबित हो सकती हैं। इस्माइल अपनी रफ्तार के दम पर बल्लेबाजों को शुरुआती ओवरों में खासा तंग करने के लिए जानी जाती हैं। इस्माइल को इंग्लैंड की परिस्थितियों खूब रास आएंगी और रफ्तार के साथ-साथ हवा में स्विंग करती हुई उनकी गेंदें किसी भी बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर सकती हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान

साहिबजादा को सौंपी गई कप्तानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। साहिबजादा फरहान को इस टूर्नामेंट के लिए टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, अब्दुल समद को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 15 सदस्यों वाली टीम में चार खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में एक भी मुकाबला नहीं खेला है। ये खिलाड़ी आकिफ जावेद, अली रजा, माज सदाकत और साद मसूद हैं। पाकिस्तान की ओर से 46 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके फरहान ने अब तक किसी भी सफेद गेंद के फॉर्मेट में

टीम की कप्तानी नहीं की है। वहीं, अब्दुल समद ने पाकिस्तान की तरफ से सिर्फ 5 टी20 मुकाबले खेले हैं। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई वनडे सीरीज में वह टीम का हिस्सा रहे थे।

एशियन गेम्स 2026 के लिए पाकिस्तान टीम का स्क्वॉड

साहिबजादा फरहान (कप्तान), अब्दुल समद (उपकप्तान), अबरार अहमद, अहमद दानियाल, आकिफ जावेद, अली रजा, अराफात मिन्हास, हैदर अली, हसन नवाज, माज सदाकत, मोहम्मद सलमान मिर्जा, साद मसूद, सैम अयूब, सुफयान मोकिम और उस्मान खान (विकेटकीपर)।

टी20 मुंबई

शार्दुल की ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने सूर्यकुमार की कप्तानी वाली ट्रायम्फ नाइट्स को हराया

मुंबई (एजेंसी)। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए टी20 मुंबई 2026 मैच में ट्रायम्फ नाइट्स एमएनई के खिलाफ शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन करते हुए 24 रन से जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने अपने तय 20 ओवरों में 172/8 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स के बल्लेबाजों ने मजबूत शुरुआत की और अंत भी शानदार रहा। जवाब में ट्रायम्फ नाइट्स एमएनई की टीम 18.5 ओवर में 148 रन पर ऑल-आउट हो गई और कई बल्लेबाजों के अच्छी शुरुआत करने के बावजूद लक्ष्य से 25 रन पीछे रह गई। ईगल ठाणे स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 20 ओवरों में 172/8 का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। साईराज पाटिल ने 46 गेंदों में शानदार 69 रन बनाकर पारी को संभाला, जिसमें पांच चौके और चार छक्के शामिल थे। उन्हें सिद्धांत सिंह (28) का अच्छा साथ मिला जबकि शाश्वत जगताप ने सिर्फ 10 गेंदों में नाबाद 29 रन बनाकर पारी को जोरदार अंत दिया। भारत के लिए 85 इंटरनेशनल मैच खेल चुके कप्तान शार्दुल ठाकुर सिर्फ एक रन ही बना सके। ओपनर अखिल हरवाडकर ने 24 गेंदों में तेज 33 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने की शुरुआत की, जबकि परीक्षित वलसांगकर ने भी 20 गेंदों में 33 रन की मनोरंजक पारी खेली, जिसमें तीन छक्के शामिल थे।

हेलीकॉप्टर दुर्घटना के बाद अमेरिका का पलटवार, ईरान ने क्षेत्र के देशों पर किए हमले

» दुबई, भाषा।

अमेरिकी हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराने के बाद अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान पर हवाई हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने क्षेत्र के कई देशों को निशाना बनाया। इस टकराव से युद्ध समाप्त करने की कोशिशों के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया है। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर ईरान के हमले के कुछ घंटों बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया कि ईरान समझौते पर बातचीत करने में काफी समय लगा रहा है और अब उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि तेहरान के लिए इसका असल में क्या मतलब होगा। सोमवार को ईरान और इजराइल द्वारा एक-दूसरे को निशाना बनाए जाने के बाद, इस हफ्ते दूसरी बार गोलाबारी की ऐसी घटनाओं से युद्धविराम खतरे में पड़ गया है।

दोनों देश इस झगड़े को खत्म करने का कोई रास्ता ढूंढते दिख रहे हैं, बशर्ते वे इसे दोनों पक्षों की जीत के तौर पर पेश कर सकें। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कहीं ज़्यादा मुश्किल लक्ष्यों को हासिल करने पर अड़े हुए दिखते हैं- ईरान की धार्मिक सरकार को गिराना, उसके परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना और लेबनान में ईरान के सहयोगी हिज़्बुल्ला समूह को नष्ट करना। इससे समझौता करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। नेतन्याहू ने एक्स पर पोस्ट कर दोहराया कि ईरान को कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जा सकता। उन्होंने अतीत में इस्लामिक गणराज्य ईरान पर हमले करने के इजराइल के फैसलों का भी बचाव किया। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान में वायु रक्षा प्रणालियों, जमीनी नियंत्रण स्टेशन और निगरानी रडार ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान ने बंदर अब्बास और केश्म द्वीप के आसपास हमलों की पुष्टि की, लेकिन नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सेंट्रल कमांड ने कहा, यह अभियान अमेरिकी बलों और क्षेत्रीय समुद्री मार्गों से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाजों पर हालिया हमलों के उसी तरह जवाब के रूप में चलाया गया। जॉर्डन ने कहा कि उसने मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस की ओर आ रही पांच मिसाइल को मार गिराया। जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने सेना के एक बयान के हवाले से कहा कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ। बहरीन और कुवैत ने कहा कि उन्होंने उनकी ओर आने वाली मिसाइल को बीच रास्ते में ही निष्क्रिय कर दिया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तुर्किए और सऊदी अरब के अपने समकक्षों से बातचीत में अमेरिकी हमलों को ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज के सुरक्षा कर्मियों और बंदूकधारियों के बीच गोलीबारी: ब्रिटिश सेना

दुबई, भाषा। यमन के तट के पास अदन की खाड़ी में एक मालवाहक जहाज पर तैनात सुरक्षा कर्मियों और एक छोटी नाव में सवार बंदूकधारियों के बीच बुधवार को गोलीबारी हुई। ब्रिटिश सेना ने यह जानकारी दी। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस केंद्र ने बताया कि जहाज पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए बंदूकधारियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। हमले की जिम्मेदारी किसी भी संगठन ने तत्काल नहीं ली है। यमन के हूती विद्रोहियों ने कहा है कि वे लाल सागर से गुजरने वाले इजराइल से जुड़े जहाजों पर अपने हमले फिर से शुरू करेंगे। वहीं, क्षेत्र में सोमाली समुद्री डाकुओं की गतिविधियां भी बढ़ गई हैं।

ईरान को बातचीत रोकने की कीमत चुकानी होगी : ट्रंप

दुबई, भाषा। अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान पर हवाई हमले किए और इसके जवाब में तेहरान ने भी क्षेत्र के देशों पर जवाबी हमले किए। हमलों से युद्ध खत्म करने की कोशिशों के पटरी से उतरने का खतरा पैदा हो गया है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि शांति बार्ता रुकने की ईरान को कीमत चुकानी होगी। ट्रंप की यह चेतावनी बहरीन, कुवैत और जॉर्डन पर ईरान के हमले के कुछ घंटों बाद आई। इन तीनों देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डे हैं। इस हफ्ते यह दूसरी बार था जब दोनों पक्षों ने एक दूसरे को निशाना बनाया जिसकी वजह से दो महीने से जारी संघर्ष-विराम को खतरा पैदा हो गया है। ईरान और इजराइल ने सोमवार को एक दूसरे को निशाना बनाया था। यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रुथ सोशल पर ट्रंप की पोस्ट का ईरान के लिए क्या मायने होंगे। इन टिप्पणियों से युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के बदलते रुख का संकेत मिलता है। उन्होंने सोमवार को कहा कि संघर्ष खत्म करने के लिए कुछ ही दिनों में कोई समझौता हो सकता है। इस बीच, हफ्तों तक भारी बमबारी का सामना करने के बावजूद ईरान ने संयम दिखाया है। उसे भरोसा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी ढंग से बंद करने की उसकी क्षमता उसे बातचीत के दौरान उसे मज़बूती से अपना रुख रखने के लिए मददगार साबित होगी। अमेरिकी सेना के मध्य कमान ने बताया कि नवीनतम हमलों में उसके लड़ाकू विमानों ने ईरान की वायु रक्षा प्रणाली, जमीनी नियंत्रण केंद्र और निगरानी राडार स्थलों को निशाना बनाया। ईरान ने बंदर अब्बास और काशम द्वीप के आसपास हुए हमलों की पुष्टि की, लेकिन नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। ईरान के शीर्ष राजनयिक ने संकल्प लिया कि हमले का जवाब दिया जाएगा। इसके बाद ईरान ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन पर हमले करने का दावा किया। जॉर्डन ने बताया कि उसने पांच मिसाइलों को मार गिराया।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों में कम से कम 13 लोगों की मौत : तालिबान अधिकारी

» काबुल, भाषा।

अफगानिस्तान ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान ने देश के भीतर नए सिरे से हवाई हमले किए हैं, जिनमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। दोनों देशों के बीच महीनों से संघर्ष जारी है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने बताया कि हमले अफगानिस्तान के खोस्त, कुनार और पक्तिका प्रांतों को निशाना बनाकर किए गए, जिनमें 11 बच्चों, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। पाकिस्तान की ओर से इन हमलों की तत्काल कोई पुष्टि नहीं की गई या कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। ये हवाई हमले उस घटना के एक दिन बाद हुए, जब अफगानिस्तान की सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हसन खेल क्षेत्र में संदिग्ध पाकिस्तानी तालिबान आतंकवादियों ने एक सुरक्षा चौकी पर हमला कर दिया था।

इस हमले के बाद भीषण मुठभेड़ हुई, जिसमें फेडरल कॉन्स्टेबुलरी के छह जवान मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षाबलों ने हमलावरों में से आठ को मार गिराया और चौकी पर कब्जा करने की उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। बाद में, पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने पेशावर में शहीद जवानों के जनाजे की नमाज में हिस्सा लिया। नकवी ने मारे गए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके बलिदान को कभी भुलाया नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान एकजुट है और शांति एवं सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले समूहों के खिलाफ अभियान और तेज किया जाएगा। फरवरी के अंत से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई महीनों से घातक संघर्ष जारी है, जिसमें सैकड़ों लोग मारे जा चुके हैं। यह संघर्ष तब और बढ़ गया था जब अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के भीतर जवाबी सीमापार हमला किया था। यह हमला पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के अंदर किए गए हवाई हमलों के प्रतिशोध में किया गया था। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान ऐसे चरमपंथियों को शरण देता है, जो पाकिस्तान के भीतर घातक हमले करते हैं। इनमें विशेष रूप से पाकिस्तान तालिबान शामिल है, जिसे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) कहा जाता है। हालांकि, काबुल पाकिस्तान के इन आरोपों को खारिज करता रहा है। टीटीपी अफगान तालिबान से अलग संगठन है, लेकिन उसका सहयोगी माना जाता है। अफगान तालिबान 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेनाओं की अव्यवस्थित तरीके से वापसी के दौरान सत्ता पर कब्ज़ा करने के बाद से अफगानिस्तान पर शासन कर रहा है।

दक्षिण अफ्रीका में अज्ञात हमलावरों की गोलीबारी में बारह लोगों की मौत, नौ अन्य घायल

जोहानिसबर्ग, भाषा। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में देर रात हमलावरों की अंधाधुंध गोलीबारी में 12 लोगों की मौत हो गई जबकि कम से कम नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा है कि मंगलवार देर रात जोहानिसबर्ग के क्लीवलैंड इलाके की एक बस्ती में एक मिनीबस से 10 से ज़्यादा संदिग्ध लोग उतरे और उन्होंने लोगों पर गोलियां चला दीं एवं फिर भाग गए।जोहानिसबर्ग में लंबे समय से संगठित आपराधिक गिरोहों की हिंसा नजर आती रही है। ये गिरोह अवैध खनन या अन्य गतिविधियों पर नियंत्रण काम करने के लिए हिंसा करते हैं। हालांकि पुलिस ने कहा है कि नवीनतम गोलीबारी की मंशा की अभी जांच ही चल रही है। पुलिस ने बताया कि हमलावर एक मिनीबस से बस्ती में उतरे और वे इलाके में घूमते हुए कई जगहों पर स्थानीय लोगों पर गोलियां चलाते रहे, और फिर उसी गाड़ी में बैठकर वहां से भाग गए। पुलिस के अनुसार इस गोलीबारी में नौ पुरुषों और तीन महिलाओं की जान चली गई। पुलिस का कहना है कि 11 लोगों की मौत मौके पर ही हो गई और 12वें व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ा। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों और गाड़ी की तलाश शुरू कर दी गई है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्रांतीय पुलिस आयुक्त टॉमी मथोम्बेनी ने इन हत्याओं को पागलपन भरा, बेरहम और कुछ हद तक बर्बर बताया। उन्होंने कहा कि अभी जांच चल रही है, इसलिए इन्हें अवैध खनन करने वाले गिरोहों से जोड़ना जल्दबाजी होगी, लेकिन पुलिस इस संभावना पर भी विचार कर रही है कि यह घटना का मकसद हो सकता है। बुधवार सुबह हताहतों को ले जाने के लिए एम्बुलेंस मौके पर मौजूद थीं, जबकि समुदाय के लोग सड़कों पर समूहों में जमा थे।

न्यूज ब्रीफ

गाज़ा में चरमपंथियों, पुलिस ने दर्जनों फलस्तीनियों की हत्या की, उन्हें अपंग बनाया: संरा रिपोर्ट

» रामल्ला, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल के साथ युद्ध के दौरान गाज़ा में हमास के लड़ाकों और पुलिस इकाइयों ने दर्जनों फलस्तीनियों को पीटा, उन्हें अपंग बना दिया और सरेआम उनकी हत्या कर दी। इसमें कहा गया कि यह कृत्य युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है। मंगलवार को जारी संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की रिपोर्ट में युद्ध से प्रभावित इलाके में बिना कानूनी प्रक्रिया के सज़ा देने के सैकड़ों मामलों का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों में डर पैदा करने के लिए अक्सर इन मामलों का प्रचार-प्रसार घटना के दौरान और उसके बाद किया जाता था। इसमें कहा गया, इन मामलों में लोगों को मार डालना, घुटनों पर गोली मारना, धातु की रॉड या सीमेंट की ईंटों से हड्डियां तोड़ना तथा बुरी तरह पीटना शामिल है। हमलावरों ने इस कृत्य को इजराइल के साथ कथित मिलीभगत, मानवीय सहायता की लूट, चोरी, मादक पदार्थ से जुड़े अपराधों या अंदरूनी विरोधियों से जुड़ाव की सज़ा बताया।

आयोग ने पाया कि अगस्त 2024 से जनवरी 2026 के बीच दर्ज 249 मामलों में से लगभग एक-चौथाई मामलों- जिनमें 108 मौत भी शामिल हैं में हमास से जुड़े चरमपंथी और पुलिस बल शामिल थे। इसने खास तौर पर हमास से जुड़े गुटों से संबंधित मामलों की जांच की, लेकिन दूसरे हथियारबंद गुटों से जुड़े मामलों को भी इसमें शामिल किया गया। हमास के प्रतिनिधियों ने रिपोर्ट में लगाए गए आरोपों के बारे में पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, इस तरह की सजा अदालतों या न्यायाधीशों के ज़रिए नहीं, बल्कि हमास की सैन्य इकाई और पुलिस इकाइयों द्वारा दी गई।

स्पेन में पोप की युवा रैली में अवसाद और घरेलू हिंसा पर खुलकर बात हुई

» बार्सिलोना, भाषा।

पोप लियो 14वें ने मंगलवार को स्पेन के युवाओं को अपनी आस्था पर दृढ़ बने रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक रैली की अध्यक्षता की जिसमें अवसाद, घरेलू हिंसा और पारिवारिक संबंधों में कलह पर खुलकर चर्चा की गई। अमेरिका में जन्मे पोप का बार्सिलोना के ओलंपिक स्टेडियम में ज़ोरदार स्वागत किया गया। स्पेन की उनकी एक हफ्ते की यात्रा का यह दूसरा पड़ाव था, जिसमें देश में धर्मनिरपेक्षता के प्रति मजबूत झुकाव के बावजूद भारी भीड़ उमड़ी।

जब लियो अपनी पोपमोबाइल कार में स्टैंड से बाहर आए और मैदान का चक्कर लगाया, तो वहां उपस्थित लगभग 40,000 लोगों की भीड़ खुशी से झूम उठी। जब भी वे बच्चों को आशीर्वाद देने या रुककर अपना खास ̎6-7 वाला हाथ का इशारा करते तो लोग उत्साहित हो जाते। इस कार्यक्रम में कैटलन संस्कृति की कई झलकियां देखने को मिलीं, जिसमें इस इलाके के मशहूर ह्यूमन टॉवर (इंसानों से बनी मीनार) बनाने वाले कलाकारोंजिन्हें कास्टेलर्स कहा जाता हैका प्रदर्शन भी शामिल था। जब समूह के सबसे छोटे बच्चे ने आठ मंज़िला मीनार की चोटी पर पहुंचकर हाथ हिलाया और फिर तेज़ी से नीचे उतरा, तो पोप ने भी तालियां बजाकर उत्साहवर्द्धन किया।

भारत ओमान तट के पास जहाज से जुड़ी घटना पर पैनी नजर रख रहा

» दुबई, भाषा।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच, मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने बुधवार को कहा कि वह ओमान के तट के पास एक जहाज से जुड़ी घटना पर पैनी नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में यह भी कहा कि वह इस मामले में स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। हालांकि और कोई जानकारी साझा नहीं की गई। पोस्ट में कहा गया, हमें ओमान के तट के पास एक जहाज से जुड़ी घटना के बारे में पता चला है।

हम स्थिति पर पैनी नजर रख रहे हैं और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हम जल्द ही और विवरण साझा करेंगे। दूतावास का बयान ऐसे वक्त आया है जब एक दिन पहले भारतीय तटरक्षक ने कहा था कि ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद ओमान के अधिकारियों के समन्वय से पोत पर मौजूद भारतीय चालक दल के 24 सदस्यों को बचा लिया गया।

यूक्रेन ने रूस के अंदरूनी इलाकों में सैन्य कारखानों, ऊर्जा संयंत्रों पर हमला किया

» कीव, भाषा।

ऊर्जा संयंत्रों और सैन्य कारखानों को निशाना बना कर मॉस्को को रणनीतिक रूप से नुकसान पहुंचाने की कोशिश के तहत यूक्रेन ने बुधवार को रूस के भीतरी क्षेत्रों में कई हमले किए। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सेना ने कई सैन्य और ऊर्जा अवसंरचना स्थलों पर हमला किया, जिसमें एक सैन्य कारखाना भी शामिल है। इस बारे में उन्होंने कहा कि यह रूसी ड्रोन और मिसाइलों के लिए कलपुर्जे की आपूर्ति करता था। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की एफपी-5 फ्लेमिंगो लंबी दूरी की मिसाइलों ने चेबोक्सारी में मौजूद उस ठिकाने पर हमला किया, जो अग्रिम मोर्चे से 900 किलोमीटर से अधिक दूरी पर चुवाशिया इलाके में है। वहीं, रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में यूक्रेन के 326 ड्रोन मार गिराए।

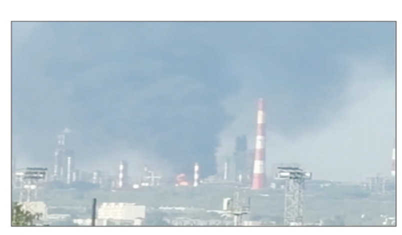

चुवाशिया के प्रमुख ओलेग निकोलाएव ने मिसाइल हमले की पुष्टि की, लेकिन इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी। ऑनलाइन समाचार संस्थान एस्ट्रा ने खबर दी कि यूक्रेनी हमले में वीएनआईआईआर-प्रोग्रेस संयंत्र को निशाना बनाया गया, जहां ड्रोन के लिए एंटीना बनाए जाते हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूस के समारा इलाके में एक रिफाइनरी पर हमला किया। वहां के गवर्नर व्याचेस्लाव फेदोरिशचेव ने बताया कि ड्रोन हमलों से कई औद्योगिक संयंत्र को नुकसान पहुंचा और तीन लोग घायल हो गए। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने रूस के व्लादिमीर इलाके में तेल से जुड़ी दो अवसंरचना को भी निशाना बनाया, जो अग्रिम मोर्चे से लगभग 700 किमी की दूरी पर स्थित हैं। रूस के कब्जे वाले क्रीमिया में, एक यूक्रेनी ड्रोन उस इमारत से टकरा गया, जिसमें 19वीं सदी के क्रीमिया युद्ध के दौरान शहर की रक्षा को दर्शाने वाली एक विशाल पेंटिंग रखी थी। रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय क्रेमलिन द्वारा क्रीमिया के सबसे बड़े शहर सेवस्तोपोल के प्रमुख नियुक्त किए गए मिखाइल राजवोजाएव ने कहा कि कलाकार फ्रांज रुबो द्वारा बनाई गई यह पेंटिंग पूरी तरह से नष्ट हो गई। पिछले हफ्ते, यूक्रेन के हमलों में सेंट पीटर्सबर्ग में एक तेल टर्मिनल में आग लगने और पास के नौसैन्य अड्डे पर भी हमला होने के बाद पुतिन ने रूस की वायु रक्षा को मजबूत करने का संकल्प लिया था। यूक्रेन की वायुसेना का कहना है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के 207 में से 181 ड्रोन मार गिराए। क्षेत्रीय प्रशासन के प्रमुख ओलेह सिनिहुबोव के अनुसार, बुधवार तड़के खारकीव पर 26 ड्रोन के जरिए हमला किया गया, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हमलों में, पिछले 24 घंटों में इस इलाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हुए।

भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर की कंपनी के ड्रोन बोट ने होर्मुज में अमेरिकी बचाव मिशन में की मदद

वाशिंगटन, भाषा। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास निशाना बनाए गए अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर में सवार चालक दल के दो सदस्यों को बचाने के लिए जिस ड्रोन नाव का इस्तेमाल किया गया, उसका निर्माण टेक्सास की एक कंपनी ने किया था, जिसके संस्थापकों में भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर वैभव आल्टेकर भी शामिल हैं। सैरोनिक टेक्नोलॉजी की ओर से विकसित ड्रोन नाव कोर्सेयर से संचालित बचाव अभियान अमेरिकी सशस्त्र बलों की ओर से चलाया गया अपनी तरह का पहला मिशन था। अमेरिकी बल इस तरह के अभियानों के काफी समय से मानवरहित विमानों का इस्तेमाल करते आ रहे हैं। कैप्टन टिम हॉकिंस ने मंगलवार को कहा कि यह एक स्वचालित समुद्री नाव से संचालित अमेरिका का पहला बचाव अभियान था, जिसे एक मानव संचालक दूर से निर्देशित कर रहा था। हॉकिंस के मुताबिक, 24 फुट लंबी कोर्सेयर डीजल पर चलती है और 35 नॉट तक की अधिकतम रफ्तार अख्तियार कर सकती है। उन्होंने बताया कि यह ड्रोन नाव।,000 पौंड तक का भार उठाने में सक्षम है और एक बार में 1,000 नॉटिकल मील की दूरी तय कर सकती है। सैरोनिक टेक्नोलॉजी की लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उसने स्वचालित समुद्री नाव के उत्पादन के लिए अमेरिकी नौसेना के साथ 39.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का करार कर रखा है। नेवी सील से 11 साल तक जुड़े रहे डीनो मवरुकास ने वैभव आल्टेकर, डग लैंबर्ट और रॉब लीहमन के साथ मिलकर सितंबर 2022 में सैरोनिक टेक्नोलॉजी की स्थापना की थी। कंपनी का मुख्यालय टेक्सास के ऑस्टिन में है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले आल्टेकर सैरोनिक टेक्नोलॉजी के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) हैं। कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रोफाइल के अनुसार, आल्टेकर सैरोनिक टेक्नोलॉजी की स्वचालित प्रणालियों और सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर के विकास का काम देखते हैं। वह फॉरवर्ड डिप्लॉयड इंजीनियरिंग , प्रोडक्ट और स्पेशल प्रोग्राम्स के साथ-साथ सॉफ्टवेयर टीम का नेतृत्व करते हैं, जिसमें उन्हें प्रोडक्ट अवधारणा, नेविगेशन, मशीन लर्निंग, कमांड एंड कंट्रोल और सिस्टम्स इंटीग्रेशन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले कर्मियों के साथ काम करने का मौका मिलता है। आल्टेकर सैन्य प्रौद्योगिकी कंपनी एंड्युरिल इंडस्ट्रीज से भी जुड़े रहे हैं, जिसने रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी के लिए घोस्ट शार्क ड्रोन पनडुब्बी सहित कई अन्य सैन्य उपकरणों का निर्माण किया है।

पीओके में पाकिस्तान की सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

इस्लामाबाद, भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मुजफ्फराबाद के निकट पाकिस्तान आर्मी एविएशन के एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी कर्मियों की मौत हो गई। सेना ने यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बच पाया। इसने हालांकि मृतकों की संख्या नहीं बताई। बयान के अनुसार यह दुर्घटना हेलीकॉप्टर के उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी के कारण हुई। बयान में कहा गया है कि बचाव और राहत दल तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंच गए। दुर्घटना के वास्तविक तकनीकी कारण का पता लगाने के लिए एक बोर्ड ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सरदार अयाज सादिक ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया। आईएसपीआर ने कहा कि सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और सेना के अधिकारियों ने लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक-संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की। सितंबर 2025 में गिलगित-बाल्टिस्तान के डायमर जिले में तकनीकी खराबी के कारण सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसमें पांच कर्मियों की मौत हो गई थी। अगस्त 2025 में खैबर पख्तूनख्वा सरकार का एक हेलीकॉप्टर मोहमंद जिले में खराब मौसम के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें दो पायलट और चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई थी।

कई वैश्विक नेताओं ने मोदी के नेतृत्व और भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका की सराहना की

ईयू प्रमुख, मेलोनी, मुइज्जू और विश्व के अन्य नेताओं ने मोदी को दी बधाई

» ब्रसेल्सा रोम, भाषा।

यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन, इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी सहित दुनिया के कई देशों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लगातार सबसे लंबे समय तक भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में पद पर रहने के लिए बुधवार को बधाई दी। मोदी ने बुधवार को 4,399 दिनों के लगातार कार्यकाल के साथ भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का 4,398 दिनों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया।

मोदी को बधाई देने वाले वैश्विक नेताओं में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जाई-म्युंग, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोग्बे, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और कई अफ्रीकी देशों के नेता शामिल रहे। अमेरिका और नेपाल व मंगोलिया जैसे देशों के कई नेताओं ने भी सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष लेएन ने मोदी के नेतृत्व की तारीफ की और संगठन के देशों के साथ भारत की साझेदारी को रेखांकित किया। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा, आपके नेतृत्व में भारत न सिर्फ चांद पर पहुंचा है, बल्कि सितारों तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। प्रौद्योगिकी, परिवहन, सुरक्षा और रक्षा के क्षेत्र में हमारे सहयोग से लेकर अब तक के सबसे बड़े व्यापार समझौते तक, हमने साथ मिलकर जो कुछ भी हासिल किया है, उसके लिए आपका धन्यवाद। मेलोनी ने मोदी को बधाई देते हुए हाल में भारत और इटली के बीच शुरू हुई विशेष रणनीतिक साझेदारी का उल्लेख किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, पिछले दिनों रोम में एक बार फिर (प्रधानमंत्री मोदी से) मुलाकात करके और एक विशेष रणनीतिक साझेदारी की शुरुआत

करके खुशी हुई जो भविष्य में हमारे देशों और लोगों के लिए नए अवसर बनाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारतीय प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए कहा, मालदीव आपसी सम्मान, संप्रभु समानता और साझा हितों के आधार पर भारत के साथ सहयोग को और मजबूत करने के लिए आशान्वित है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा, यह उपलब्धि भारत के विकास, समृद्धि और वैश्विक मंच पर उसकी प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने में उनकी वर्षों की समर्पित जनसेवा और नेतृत्व का प्रमाण है। इब्राहिम ने कहा कि मलेशिया भारत के साथ अपनी घनिष्ठ और लंबे समय से चली आ रही मित्रता को महत्व देता है और दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने तथा लोगों के लिए नए अवसरों का विस्तार करने को लेकर उत्साहित है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टीनूबू ने सोशल मीडिया पर एक लंबे संदेश में कहा कि यह उपलब्धि तीन लगातार जनादेशों के दौरान मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता द्वारा जताए गए भरोसे और विश्वास को दर्शाती है। केन्या के राष्ट्रपति विलियम सामोई रूटो ने भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मोदी की सराहना करते हुए कहा, ̎साधारण पृष्ठभूमि से इस मुकाम तक पहुंचने की आपकी यात्रा समर्पण, धैर्य और जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए भारत की अर्थव्यवस्था में उनके योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत के सबसे लंबे समय तक तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर नरेन्द्र मोदी को हार्दिक बधाई। वह एक सच्चे राजनेता हैं जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। मुझे उस व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर गर्व है जिसे हमने मिलकर विकसित किया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com